TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 269
सोमवार, 21 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मोदी और नीतीश की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए: मल्लिकार्जुन खड़गे

पटना, 20 अप्रैल। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जय बापू जय भीम जय संविधान कार्यक्रम के आज बक्सर में आगमन हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बक्सर में बीजेपी और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि बिहार की एनडीए सरकार हमला करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए है. प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार के बीच 'अवसरवादी' गठबंधन बिहार के लोगों के लिए अच्छा नहीं है. खड़गे ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के लिए भाजपा और आरएसएस की साजिश है.पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने नेशनल हेराल्ड की शुरूआत की थी। इसके अलावा, नवजीवन अखबार और कौमी आवाज भी शुरू किया गया था। इन अखबारों को शुरू करने का मकसद देश को आजाद कराना, देश की जनता को जागरुक करने और लोगों की आवाज अंग्रेजी हुकूमत तक पहुंचाने का था।

आरएसएस बीजेपी के लोग षडयंत्र करने में माहिर हैं। इन दिनों उन्होंने काँग्रेस को झूठे मुकदमों में उलझाने की फिर से कोशिश की है।

जैसे ही कांग्रेस का अधिवेशन अहमदाबाद में खत्म हुआ, एक दिन बाद नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्ती का प्रयास कर दी।

दो दिन बाद सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी का नाम चार्जशीट में डाल दिया। हमारे नेताओं के

ऊपर पिछले 11 सालों में अनगिनत रेड हुए। निकला कुछ नहीं, लेकिन बदनाम करने में लगे हैं ।हाल में नेशनल हेराल्ड मामले में जिस परिवार को बदनाम करने का प्रयास किया गया, उसके घर का हर सदस्य आजादी के आंदोलन में जेल में रहा।आजादी के पहले आनंद भवन और स्वराज भवन जैसी संपत्ति देश को समर्पित कर दिया था। इंदिरा गांधी जी देश के लिए शहीद हुईं, राजीव गांधीजी शहीद हुए ।पिछले 11 सालों से कांग्रेस और विपक्षी दलों के साथ मोदी सरकार दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। कांग्रेस में सोनिया गाँधी जी और राहुल गाँधी जी इसलिए निशाना हैं क्योंकि वो कांग्रेस की रीढ की हड्डी हैं ।दूसरे ताकतवर विपक्षी नेताओं पर इसी तरह फर्जी मामले चलाए जा रहे हैं। जो बीजेपी में चला जाता है, उसका केस बंद कर दिया जाता है।

इनको शर्म आनी चाहिए कि 10 सालो में ईडी ने 193 नेताओं पर केस किया लेकिन केवल दो मामले को वो साबित कर पाये। जब चाहते हैं घंटों पूछताछ करके ईडी के लोग फर्जी खबरें फैलाते हैं ।हम लोग किसी से डरने वाले नहीं हैं, किसी के आगे झुकने वाले भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झुकेगी नहीं, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर इस मुद्दे को अपनी राजनीति के लिए उठा रही है, जबकि नेशनल हेराल्ड की संपत्ति किसी को बेची नहीं जा सकती. यह उसी कंपनी की रहेगी जिसके नाम पर यह संपत्ति है. कांग्रेस पार्टी को झुकाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी झुकेगी नहीं. बक्सर के कार्यकम में उन्होंने कहा कि पूरे बिहार को संदेश दे रहे हैं।

संविधान को बचाने के लिए लड़ाईः उन्होंने कहा कि कांग्रेस बलिदानियों की पार्टी है और कई नेताओं ने दी है देश को आजाद करने में अपना बलिदान दिया है. उन्होंने बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाने का आह्वान किया. कांग्रेस नेता ने कहा कि हमें संविधान को बचाने के लिए एकजुट होना होगा और लड़ाई लड़नी होगी. कांग्रेस को डराने की कोशिश की जा रही है.प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आपके हित की लड़ाई लड़ रही है। हमलोगों ने आपके समाज को लेकर देशव्यापी लड़ाई लड़ रही है। राहुल गांधी आपके लिए सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष कर रहे हैं और आपके हित की लड़ाई के लिए हम हर कदम पर आगे बढ़कर काम रहेंगे।

मध्यप्रदेश में दो मोटरसाइकिल की टक्कर में दो लोगों की मौत

भोपाल, 20 अप्रैल। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर सैलाना-बांसवाड़ा मार्ग पर हुई।

सारवां पुलिस थाने के प्रभारी अर्जुन सेमालिया ने बताया कि प्रतापगढ़ जिले के रानपुर गांव का रहने वाला रामलाल डामोर (22) शादी के लिए रतलाम जिले के सैल्यारौंदी गांव में रिश्तेदारों को निमंत्रण देकर मोटरसाइकिल से लौट रहा था। उन्होंने बताया कि बावलीखेड़ा के पास डामोर का दोपहिया वाहन एक स्कूटर से टकरा गया ।डामोर के साथ उसके वाहन पर दो अन्य रिश्तेदार भी सवार थे। अधिकारी ने कहा कि डामोर की मौत हो गई, जबकि उसके दो रिश्तेदार घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हादसे में दूसरे वाहन में सवार गनी मोहम्मद (52) की भी मौत हो गई और उसका साथी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, डामोर की शादी 6 मई को होने वाली थी।

संस्कृति पर दिए गए प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों को पुस्तक में किया गया संकलित

नई दिल्ली। दिल्ली में 2015 के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए गए भाषण से लेकर पिछले साल वाराणसी में एक नेत्र अस्पताल के उद्घाटन समारोह में दिए गए भाषण तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विभिन्न सांस्कृतिक विषयों पर दिए गए 34 भाषणों को अब एक पुस्तक में संकलित किया गया है।

संस्कृति का पांचवां अध्याय शीर्षक वाले इस पुस्तक में पिछले 10 वर्षों में विभिन्न अवसरों पर मोदी द्वारा भारतीय संस्कृति, परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों व विरासत पर दिए गए भाषणों का उल्लेख है। जूना अखाड़े के प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने शुक्रवार शाम को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की उपस्थिति में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में इस पुस्तक का विमोचन किया। इस संकलन में 34 भाषण हैं, जिन्हें कालक्रम के अनुसार क्रमबद्ध किया गया है। इसकी शुरूआत दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से दिए गए 2015 के स्वतंत्रता दिवस के भाषण से होती है, तथा अंतिम भाषण अक्टूबर 2024 में वाराणसी में आर. जे. शंकर नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन के अवसर पर दिया गया उनका संबोधन है।

दिल्ली की अदालत ने कन्फेक्शनरी निर्माता के चटमोला ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 33 साल पुराने ट्रेडमार्क विवाद का निपटारा करते हुए एक कन्फेक्शनरी निमार्ता के चटमोला ट्रेडमार्क या इससे मिलते-जुलते चिह्न का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी और कहा है कि एक अन्य निजी खाद्य कंपनी ट्रेडमार्क की पंजीकृत मालिक एवं मूल उपयोगकर्ता है। जिला न्यायाधीश नेहा पालीवाल शर्मा वादी (अलका फूड इंडस्ट्रीज के मालिक) की ओर से जनवरी 1992 में दायर मुकदमे की सुनवाई कर रही थीं, जिसमें प्रतिवादी (अनिल फूड इंडस्ट्रीज) को चटमोला ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने से रोकने का आदेश देने का अनुरोध किया गया था।

नौ अप्रैल को दिए गए आदेश में अदालत ने अपने समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कहा कि प्रतिवादी चटमोला ट्रेडमार्क का पंजीकृत स्वामी और प्रथम उपयोगकर्ता था, इसलिए वादी न तो ट्रेडमार्क में निहित अधिकारों का दावा कर सकता है और न ही प्रतिवादी के माल को अपना बता सकता है।

भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि के आदर्शों को अपनाने का किया आह्वान

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक सद्भाव के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है। संघ प्रमुख अलीगढ़ के पांच दिवसीय दौरे पर हैं।

भागवत ने एच.बी. इंटर कॉलेज और सासनी गेट इलाके में पंचन नगरी पार्क में आयोजित दो शाखाओं में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज के सदस्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया है, जिसे केवल समरसता के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए सामाजिक सद्भाव पर जोर दिया।

आरएसएस सूत्रों के अनुसार भागवत ने हिंदू समाज की आधारशिला के रूप में संस्कार के महत्व को रेखांकित किया और सदस्यों से परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित समाज बनाने का आग्रह किया। उन्होंने आरएसएस सदस्यों से समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने और उन्हें अपने घरों में आमंत्रित करने की वकालत की ताकि जमीनी स्तर पर सद्भाव और एकता का संदेश फैलाया जा सके।

भागवत ने कहा कि परिवार समाज की मूलभूत इकाई है, जो संस्कार से प्राप्त मजबूत पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने राष्ट्रवाद और सामाजिक एकता की नींव को मजबूत करने के लिए त्योहारों के सामूहिक उत्सव को प्रोत्साहित किया। सत्रह अप्रैल से शुरू हुए अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान आरएसएस प्रमुख बृज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के आरएसएस प्रचारकों से प्रतिदिन मिल रहे हैं और उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

दुबे और शर्मा के बयानों से खुद को अलग करने की भाजपा की कवायद डैमेज कंट्रोल : जयराम रमेश

नयी दिल्ली, 20 अप्रैल। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा उच्चतम न्यायालय की आलोचन किए जाने के बाद पार्टी को खुद से इससे अलग करने की कवायद को "डैमेज कंट्रोल" करार दिया और कहा कि सांसदों को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। विपक्षी दल ने यह भी जानना चाहा कि दोनों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई और उन्हें कारण बताओं नोटिस क्यों नहीं जारी किया गया।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पर दो सांसदों द्वारा की गई 'घृणित टिप्पणियों' से 'निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष' का

दूरी बनाना कोई मायने नहीं रखता। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, 'भारत के प्रधान न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों से भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा दूरी बनाए जाने का कोई विशेष अर्थ नहीं है। ये सांसद घृणा फैलाने वाले बयानों को बार बार दोहराते रहने के लिए कुख्यात हैं और 'जी2' अक्सर समुदायों, संस्थानों और व्यक्तियों पर हमले के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं।' उन्होंने कहा, 'निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष का स्पष्टीकरण डैमेज कंट्रोल के अलावा कुछ नहीं है। इससे कोई मूर्ख नहीं बनेगा। यह एंटायर पॉलिटिकल साइंस के बजाए एंटायर पॉलिटिकल हिपोक्रेसी है।'

कांग्रेस नेता ने कहा, 'लेकिन निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष ने अपनी ही पार्टी के उच्च संवैधानिक पद पर बैठे एक अति विशिष्ट व्यक्ति द्वारा न्यायपालिका पर बार-बार की जा रही अस्वीकार्य टिप्पणियों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। क्या इन टिप्पणियों पर उनका कोई मत नहीं है?

क्या भाजपा इन बयानों का समर्थन करती है?' उन्होंने कहा, 'अगर संविधान पर इस तरह के निरंतर हमलों को प्रधानमंत्री मोदी की मौन स्वीकृति नहीं है तो इस सांसद के खिलाफ कड़े कदम क्यों नहीं उठा रहे? क्या नड्डा जी ने इन्हें कारण बताओ नोटिस दिया?'

जब तक वक्फ (संशोधन) अधिनियम को वापस नहीं ले लिया जाता तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा: असदुद्दीन ओवैसीजब

हैदराबाद, 20 अप्रैल। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक इसे वापस नहीं ले लिया जाता।

तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एआईएमआईएम मुख्यालय दारुस्सलाम में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अधिनियम के खिलाफ

प्रदर्शन जारी रहेगा, जैसा कि रद्द किए जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन जारी रहा।

ओवैसी ने कहा, आपको (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) ये कानून वापस लेना ही होगा। जिस तरह से हमारे किसान भाइयों ने रास्ता दिखाया है, हम भी उसी तरह प्रदर्शन करते रहेंगे। जब तक कानून वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा।

कपड़ों से पहचान वाया शमशान-कब्रिस्तान और अब 'पंक्चर' तक पहुंचा राजनैतिक विमर्श

-तनवीर जाफरी

भारतीय जनता पार्टी के बड़े से लेकर छोटे नेता तक जब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक रूप से नाम लेते हैं तो उनके नाम के साथ 'यशस्वी ' शब्द जरूर लगाते हैं। देश को इसके पहले लंबे समय तक शासन करने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्री भी मिले। परन्तु उनके नाम के साथ 'यशस्वी ' शब्द कम से कम स्थाई रूप से इसतरह चिपका हुआ नहीं देखा गया। बजाये इसके वर्तमान 'यशस्वी' प्रधानमंत्री को कांग्रेस की सरकारों विशेषकर पंडित नेहरू की विभिन्न अवसरों पर आलोचना करते हुये जरूर देखा गया। निश्चित रूप से अपने समर्थकों की नजरों में नरेंद्र मोदी यशस्वी प्रतापी,महान,हिन्दू ह्रदय सम्राट कुछ भी हो सकते हैं। परन्तु देश का निष्पक्ष नागरिक जब 'यशस्वी' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कांग्रेस के ही उन पूर्व प्रधान मंत्रियों से करता है जिसकी मोदी आलोचना करते हैं तो निश्चित रूप से वह पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी के सार्वजनिक भाषणों की भी तुलना 'यशस्वी' प्रधानमंत्री के भाषणों व उसके मुख्य मुख्य अंशों से जरूर करना चाहता है। और यह भी जानना चाहता है कि मात्र बहुसंख्य वोट हासिल करने के लिये क्या कभी इन पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा भी ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग किया गया जैसी कि हमारे 'यशस्वी' प्रधानमंत्री द्वारा बार बार की जाती है ? क्या इसतरह के भाषण और इस स्तर की भाषा ही हमारे प्रधानमंत्री को 'यशस्वी' प्रधानमंत्री बनाती है ? पिछले दिनों देश के यही 'यशस्वी' प्रधानमंत्री हरियाणा के हिसार पधारे। यहाँ एक जनसभा में वक़्फ़ कानून का जिक्र करते करते कुछ ऐसे शब्द उनके मुंह से निकले जिससे उनका 'यश' रातोंरात चौगुना हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यहाँ भी अपनी प्रिय ' पंच लाइन ' तो दोहराई ही कि कांग्रेस पार्टी वक़्फ़ को लेकर तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कह डाला कि- ₹वक़्फ़ की संपत्ति का अगर ईमानदारी से उपयोग हुआ होता तो मुसलमान नौजवानों को साइकिल का पंक्चर बनाकर ज़िंदगी नहीं गुजारनी पड़ती। ₹ इत्तेफाक से जिसदिन प्रधानमंत्री अपने इस 'बेशक़ीमती वचनों' के द्वारा समुदाय विशेष के युवाओं को पंक्चर बनाने वाला युवा बता रहे थे उसी दिन संविधान निमार्ता बाबासाहेब की जयंती भी थी। इस 'बेशक़ीमती वाक्य ' के उनके मुंह से निकलते ही 'यशस्वी प्रधानमंत्री' को लोगों ने खासकर विपक्ष ने आईना दिखाना शुरू कर दिया।

जो प्रधानमंत्री देश के युवाओं को पकौड़ा बेचने की सलाह देते थे वही पंक्चर जैसे व्यवसाय का मजाक उड़ाते दिखाई दिये? यहाँ यह याद दिलाना जरूरी है कि आज की मंहगाई के समय में पंक्चर बनाने का व्यवसाय शुरू करना भी आसान नहीं है। लाखों रुपए,उपयुक्त स्थान,बिजली,एयर कम्प्रेसर,भरपूर मेहनत और भी बहुत कुछ कुछ चाहिये पंक्चर का व्यवसाय शुरू करने के लिये। वैसे भी यह रोजगार भीख मांगने या खंजरी बजाने से तो कहीं बेहतर और इज्जत वाला कारोबार है साथ ही यह वाहन चालकों को बड़ी राहत पहुँचाने वाला व्यवसाय है। याद कीजिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने कुछ वर्ष पूर्व इंदौर में एक कार्यक्रम में कहा था कि ह्वभीख मांगना भी देश के 20 करोड़ लोगों का रोजगार है, जिन्हें किसी ने रोजगार नहीं दिया उन लोगों को धर्म में रोजगार मिलता है, जिस परिवार में पांच पैसे की कमाई भी न हो उस परिवार का दिव्यांग और दूसरे सदस्य धार्मिक स्थलों में भीख मांगकर परिवार का गुजारा करता है, ये छोटा काम नहीं है ह्व जरा सोचिये जब संघ के वरिष्ठ नेता को भीख मांगना तक भी छोटा काम नहीं लगता तो संघ प्रशिक्षित 'यशस्वी' प्रधानमंत्री को पंक्चर बनाना जैसा अहम व्यवसाय तुच्छ व्यवसाय कैसे नजर आ गया ?

इसी तरह संघ प्रशिक्षित व उत्तर प्रदेश के एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के उप कुलपति राजाराम यादव ने भी अपने एक व्याख्यान में भीख मांगने को न केवल सही ठहराया था बल्कि इसे प्रोत्साहन भी दिया था। उन्होंने बताया था कि 'अपने छात्र जीवन में जब वे ट्रेन से स्कूल जाते थे उस समय एक अंधा भिखारी डफली बजा कर एक दिन में एक से दूसरे स्टेशन के बीच में 2 दिन की जरूरत भर की कमाई कर लेता था। आज दुनिया में भारत में बेरोजगारी का हव्वा खड़ा करके देश को बदनाम किया जा रहा है'। उसी समय उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुये यह तक कह दिया था कि 'अगर किसी के पास डफली खरीदने के पैसे ना हों तो उनको विश्वविद्यालय डफली खरीद कर दे देगा । वैसे तो प्रधानमंत्री भी अपने साक्षात्कार में अपने ही लिये 25-30 वर्षों तक भीख मांगने की बात कर चुके हैं। फिर आखिर पंक्चर बनाने जैसा परिश्रम करने वाला स्वाभिमानी व्यवसाय तुच्छ या निकृष्ट अथवा हीन व्यवसाय कैसे और क्योंकर हो गया ? 'यशस्वी' प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता सिर्फ 'पंक्चर ज्ञान ' तक ही सीमित नहीं है बल्कि कभी वे यह ज्ञान भी देते हैं कि 'उपद्रवियों की पहचान उनके कपड़ों से ही पता चल जाती है।' और कभी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की खातिर उन्हें यह कहने में भी कोई हिचक नहीं होती कि -' अगर रमजान में बिजली आती है तो दीवाली में भी आनी चाहिए। अगर कब्रिस्तान के चारों तरफ दीवार बनती है तो श्मशान भी वैसा ही होना चाहिए।' मुझे तो नहीं याद कि पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने भी कभी इसतरह की भाषा का प्रयोग किया हो जोकि आज के युग के 'यशस्वी' प्रधानमंत्री द्वारा की जा रही है। आखिर विपक्षी नेताओं द्वारा क्यों आज प्रधानमंत्री को 'दो रुपए के ट्रोल्स की भाषा का प्रयोग करने वाला प्रधानमंत्री' कहा जाने लगा है ? जाहिर है इसकी वजह यही है कि दुर्भाग्यवश अब राजनैतिक विमर्श का स्तर 'कपड़ों से पहचान' वाया शमशान-कब्रिस्तान होते हुये अब 'पंक्चर' तक पहुँच चुका है।

तपता आसमान बढ़ता तापमान

-विक्रम दयाल

-विक्रम दयाल

क्यों बढ़ती गर्मी, और तपती धूप से, लोग बेहाल हैं. आइये जानते हैं इसका क्या कारण है. अत्यधिक गर्मी. जलवायु परिवर्तन और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ना शामिल है. जो समुद्र के तापमान को बढा रहें हैं. जिससे देश में गर्मी बढ़ रही है. और पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है. जो मुख्यरूप से जीवाश्म ईंधन जैसे कोयला, गैस, तेल जलने से निकलने वाली कार्बनडाई आक्साईड के कारण है. जलवायु परिवर्तन और क्लाईमेट साइकिल समुद्र के तापमान में बदलाव का कारण बन रहे हैं. वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों जैसे कार्बनडाई आक्साईड की मात्रा बढ़ने से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है. जिससे समुद्र और पृथ्वी दोनों गर्म हो रहे हैं. समुद्र का तापमान भी बढ़ना, गर्मी को बढ़ाता है. क्यों कि यह हवा को गर्म करता है. और नमी पैदा करता है. ध्रुवीय वर्फ का पिघलना और समुद्री धाराओं में बदलाव भी समुद्र के तापमान में बदलाव के कारण बन रहे हैं. जब हम जीवाश्म ईंधन जलाते हैं तो कार्बन प्रदूषण वातावरण में जाकर गर्मी को फंसाता है तब यह जलवायु परिवर्तन का कारण बनता है. जिससे मौसम करवट बदलता है. और गर्मी बढ़ती है. उदाहरण के तौर पर अलनीनो जैसी जलवायु घटना सामान्य मौसम पैटर्न को बाधित करती है. जिससे तापमान बढ़ जाता है. बढ़ती गर्मी का एक जटिल कारण है जिससे ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और अन्य कारक शामिल हैं. इन कारणों के कारण समुद्र और पृथ्वी गर्म हो रहे हैं. धूप में बहुत अधिक समय विताने से शरीर का तापमान बढ़ सकता है. जिससे हीटस्ट्रोक भी हो सकता है, जिसे सनस्ट्रोक भी कह सकते हैं. बच्चों और बुजुर्गों में हीटस्ट्रोक का खतरा ज्यादा होता है. बहुत ज्यादा धूप में रहने से निजीकरण शरीर की गर्मी को और बढ़ा सकता है. ग्लोबल वार्मिंग के कारण वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़रही है, जिससे समुद्र का तापमान बढ़ रहा है. और देश में गर्मी बढ़ रही है. जलवायु परिवर्तन और क्लाईमेट साइकिल समुद्र के तापमान में बदलाव कर रहे हैं. जो गर्मी को प्रभावित करता है. समुद्री धाराओं में बदलाव भी समुद्र के तापमान में उथल पुथल का कारण बन रहा है. ध्रुवीय बर्फ के पिघलने से भी समुद्र का तापमान बदल सकता है. जिसका असर देश के मौसम पर भी पड़ता है. शहरीकरण भी गर्मी को बढ़ाता है. क्यों कि शहरों में जमीन का उपयोग बदल रहा है. मार्च से जून तक सूर्य पृथ्वी के करीब रहता है. जिससे सूर्य का विकीकरण अधिक होता है और धरती पर गर्मी अधिक रहती है. शरीर का फैटः जिनलोगों के शरीर में फैट ज्यादा होता है, उन्हें ज्यादा गर्मी लगती है. स्ट्रेसः स्ट्रेस लेने से भी शरीर का तापमान बढ़ जाता है. थाइराइडः थाइराइड की समस्या से भी गर्मी ज्यादा लगती है.

बीमारियाँ : कुछ बीमारियाँ जैसे एनेमिया और हृदयरोग भी गर्मी को बढ़ा देते हैं तेल मसालेः ज्यादा तेल मसाले खाने से भी गर्मी बढ़ सकती है. अत्यधिक व्यायामः अत्यधिक व्यायाम करने से भी गर्मी बढ़ सकती है. धुप में ज्यादा देर तक रहने से भी शरीर का तापमान बढ़ सकता है. इसलिए तपती गर्मी से बचने के लिए हमें खुद का बचाव करना बहुत ही जरूरी है.

प्रवर्तन निदेशालय की जाँच में पता चलेगा, क्या डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत सही थी?

अशोक भाटिया

नेशनल हेराल्ड से जुड़े बहुचर्चित एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कुल सात आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की चार्जशीट दाखिल कर दी है। बात 2013 की है, सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ था ।इसके बाद 26 जून 2014 में कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया। आरोपियों ने दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती दी लेकिन ट्रायल को नहीं रुका। आरोप है कि 2010 में एक आपराधिक साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति को हड़पने की योजना बनाई गई थी। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा व अन्य की मुश्किलें बढ़ रही हैं। इसकी वजह ये है कि ईडी ने इस मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इसमें सात आरोपी हैं, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडिया, डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड और सुनील भंडारी का नाम है। आरोपियों ने दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन ट्रायल को नहीं रोका गया। चार्जशीट में गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि वर्ष 2010 में एक आपराधिक साज़िश के तहत AJL की लगभग 2000 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अवैध रूप से हड़पने की योजना बनाई गई। बताया गया है कि अखछ के 99% शेयर महज 50 लाख रुपये में 'यंग इंडियन' नाम की निजी कंपनी को ट्रांसफर कर दिए गए थे ।

ज्ञात हो की जैसे ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की और कांग्रेस पार्टी विरोध करने के लिए देश भर में सड़कों पर उतर आई दिखा जाय तो पिछले 10 सालों में ईडी ने देश के कई बड़े नेताओं को जेल भेजा है, ईडी के नोटिस से कई दिग्गजों के पसीने छूट गए हैं ।कांग्रेस का कहना है कि ईडी की टीम जांच करने आई थी, लेकिन ईडी ने हमारी पार्टी के शीर्ष नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की। यह कांग्रेस कार्यकताओं को स्वीकार्य नहीं है। ऐसा कहा जाता है कि कानून के सामने सभी समान हैं, लेकिन कांग्रेस के लोगों को लगता है कि गांधी परिवार कानून से बड़ा है। अगर सोनिया और राहुल दृढ़ हैं कि वे निर्दोष हैं, तो हमने कोई वित्तीय अनियमितता नहीं की है, अगर सोनिया और राहुल दृढ़ हैं कि उन्होंने 2,000 करोड़ रुपये की नेशनल हेराल्ड संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश नहीं की है। तो वे अदालत में जाने से क्या डरते हैं? सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। अगर ईडी द्वारा दर्ज मामले में उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं होते हैं, तो उन्हें बरी कर दिया जाएगा और कांग्रेस के लोगों को अपनी विजय जुलूस निकालने का मौका मिलेगा, लेकिन कांग्रेस देश भर में सड़क जाम क्यों कर रही है क्योंकि चार्जशीट अदालत में दायर की गई है? ईडी ने 9 अप्रैल को एक विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया और सुनवाई 25 अप्रैल के लिए निर्धारित है। हरियाणा में तत्कालीन भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पंचकूला में एक मूल्यवान भूखंड को एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) को पुनर्वितरित किया था, जो नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करता है। जांच से पता चला कि अखछ के 99 प्रतिशत शेयर एक निजी कंपनी, यंग इंडियन को हस्तांतरित कर दिए गए हैं। 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति सिर्फ 50 लाख रुपये में हस्तांतरित की गई है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी प्रत्येक के पास यंग इंडियन के 38 प्रतिशत शेयर हैं। अर्थात, मां और बेटे के पास कंपनी के 76 प्रतिशत शेयर हैं। शेष 24 प्रतिशत शेयर मोतिलाल वोरा के पास हैं। यंग इंडियन को ऑस्कर फर्नांडीस और अन्य के नाम पर एक गैर-लाभकारी धर्मार्थ कंपनी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। आरोप पत्र में उल्लेख किया गया है कि वोरा और फर्नांडीस गांधी परिवार के करीबी थे। 2022 में, ED ने वित्तीय लेनदेन में पूछताछ के लिए सोनिया, राहुल, वोरा और फर्नांडीस को तलब किया था।

एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड की स्थापना पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1937 में की थी और वर्षों तक कांग्रेस और गांधी परिवार से जुड़े नेताओं के पदाधिकारियों के रूप में नामित किया गया था। वोरा और फर्नांडीस के अलावा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे दीपेंद्र सिंह, सैम पित्रोदा, दीपकभाई रतिलाल बाबरिया, सुमन दुबे एजेएल कंपनी के कुछ पदाधिकारी हैं। पंचकूला सेक्टर 6 में हरियाणा पुलिस मुख्यालय के सामने 3360 वर्ग मीटर का एक भूखंड है। यह बड़े घरों, सरकारी अस्पतालों, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यालय, हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम, राज्य विपणन निगम और वन विभाग से घिरा हुआ है। अखछ को आवंटित भूखंड बहुत मूल्यवान था। यह आया था। चूंकि एजेएल ने नियमानुसार तय समय में इस पर निर्माण शुरू नहीं किया तो उसका अधिकार खत्म हो गया और भूखंड सरकार के पास वापस चला गया। हरियाणा सरकार के साथ कंपनी के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के बावजूद, भूखंड वापस नहीं किया जा सका। हुड्डा बाद में हरियाणा के मुख्यमंत्री बने और छह महीने के भीतर एजेएल कीमती प्लॉट को वापस पाने में सफल रही। उस समय मोतीलाल वोरा एसोसिएटेड जर्नल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर थे। कंपनी को यह कीमती प्लॉट महज 69।39 लाख रुपये में मिला है। 23 साल पहले (59.03 लाख रुपये) जो दर (59.03 लाख रुपये) ली गई थी, उसी दर (59.03 लाख रुपये) पर ब्याज जोड़कर फिर से वसूला गया। ईडी ने कहा कि बाजार मूल्य पर भूखंड का मूल्य 64.93 करोड़ रुपये था। विधानसभा चुनाव से सिर्फ दो महीने पहले 14 अगस्त 2014 को, भूखंड पर चार मंजिला इमारत को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा कब्जा प्रमाण पत्र दिया गया था। नकारात्मक फीडबैक को नजरअंदाज करते हुए तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री हुड्डा ने आदेश दिया कि मूल्यवान प्लॉट स्वैच्छिक तरीके से एजेएल कंपनी को दे दिया जाए। हुड्डा ने 17 अगस्त 2005 के अपने आदेश में कहा था कि पंडित नेहरू द्वारा स्थापित कंपनी एक हिंदी भाषी दैनिक नवजीवन शुरू करना चाहती है और जनहित में कंपनी को जमीन देना उचित होगा।

26 अक्टूबर 2014 को मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी और उन्होंने पंचकूला में कीमती प्लॉटों को एजेएल को वापस आवंटित करने में हुए घोटाले की जांच के आदेश दिए। जून 2016 में, ईडी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री हुड्डा पर भूखंडों के आवंटन में सरकार को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री खट्टर ने भूमि घोटाले की गहन जांच के लिए जांच सीबीआई को सौंपी थी। सीबीआई ने अप्रैल 2017 में हुड्डा और अन्य के खिलाफ सत्ता के दुरुपयोग और वित्तीय धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। हुड्डा आदेश पारित करते समय मुख्यमंत्री थे, इसलिए उनका नाम एफआईआर में नहीं है, लेकिन सीबीआई ने उन्हें हरियाणा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में उल्लेख किया है। मोतीलाल वोरा का नाम चार्जशीट से हटा दिया गया था क्योंकि 21 दिसंबर, 2020 को कोविड के दौरान उनका निधन हो गया था। पंडित नेहरू द्वारा स्थापित एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड ने अंग्रेजी में नेशनल हेराल्ड, हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज प्रकाशित की। इन अखबारों ने स्वतंत्रता आंदोलन लड़ा। पंडित नेहरू 1947 में प्रधान मंत्री बने और कंपनी के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इन अखबारों पर अपनी पकड़ बनाए रखी। 1956 में, एजेएल को एक वाणिज्यिक कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया था। बाद में, वित्तीय संकट के कारण, 2008 में सभी प्रकाशन बंद कर दिए गए थे। केवल डिजिटल मीडिया चल रहा था। सुब्रमण्यम स्वामी ने आरोप लगाया है कि सोनिया और राहुल ने एजेएल कंपनी की संपत्ति पर कब्जा करने के लिए कांग्रेस पार्टी के पैसे का इस्तेमाल किया, जो तब 2,000 करोड़ रुपये की सीमा में थी, और ईडी ने आरोप पत्र दायर किया है।

जब नेशनल हेराल्ड बंद हुआ, तो कंपनी कांग्रेस को 90 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही थी। 2010 में, कांग्रेस पार्टी ने यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड को ऋण हस्तांतरित कर दिया। सोनिया और राहुल के पास यंग इंडियन शेयरों का 76 प्रतिशत हिस्सा था। यह आरोप लगाया गया था कि 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए झूठे लेनदेन करके पैसे निकाले गए थे। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया था। यंग इंडियन ने 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल करने की साजिश रची।

दिल्ली में बहादुर शाह जाफर रोड पर नेशनल हेराल्ड इमारत मुंबई, लखनऊ और भोपाल में कंपनी की संपत्तियों का भी घर है। यह आरोप लगाया गया है कि गांधी परिवार को देश भर के बड़े शहरों में मूल्यवान भूमि सौंपने के लिए एक बड़ी साजिश रची गई थी। एऊने मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत आरोप पत्र दायर किया है। इसमें सोनिया , राहुल, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य का नाम है। कांग्रेस को डर है कि एक बड़ी लीक उजागर हो जाएगी। भाजपा ने कहा। कांग्रेस ने कहा है कि यह 12 साल पहले का मामला है। एक भी पैसा एक्सचेंज नहीं हुआ है, एक भी संपत्ति ट्रांसफर नहीं हुई है, लेकिन चार्जशीट दाखिल होने के साथ ही ईडी की तलवार गांधी परिवार पर लटक रही है। अब देखना है कि डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत कितनी सही थी क्योंकि अब मामला प्रवर्तन निदेशालय के जांच के दायरे में है ।

जब राम के लिए सबूत मांगा गया, तो वक्फ पर खामोशी क्यों?

-सुरेश गांधी

देश भर में जहां एक और वक्फ बिल को लेकर घमासान मचा हुआ है वहीं मौजूदा सरकार के नुमाइंदों द्वारा वक्फ बिल को मुसलमान के हक में बताने के लिए पूरी ताकत झोक रखी है। विपक्ष का आरोप हैं, यह बिल मुसलमानों का हक छींनने वाला है। इसी दलील के आधार सुप्रीम कोर्ट में न सिर्फ चुनौती दी गयी है, बल्कि कहा गया है कि उनके पास न तो स्पष्ट दस्तावेज होते हैं, न ही पारदर्शी प्रक्रिया। वे 300 साल पुराने दस्तावेज कहां से लायेंगे। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है 5000 साल पुराने राम के अस्तित्व से लेकर उनके होने के सबूत मांगने वाले, अब वक्फ़ पर खामोशी की चादर क्यों ओढ़ रखी हैं? सुप्रीम कोर्ट किन मुद्दों को तरजीह देता है और किन्हें नहीं, इस पर भी लोगों के सवाल हैं। विष्णु शंकर जैन ही पूछते हैं कि वो वक्फ कानून को लेकर गए तब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें पहले हाई कोर्ट जान का निर्देश दिया, लेकिन वक्फ कानून को लेकर ही जब दूसरा पक्ष गया तो सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिकाएं तुरंत स्वीकार कर लीं और न केवल सुनवाई होने लगी बल्कि पहले ही दिन नए कानून के कुछ प्रावधानों पर अस्थायी रोक लगाने का उतावलापन भी दिखा

फिरहाल, भारत में धर्म और राजनीति का संबंध जितना पुराना है, उतना ही संवेदनशील भी। एक ओर आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम को लेकर हजारों वर्षों पुरानी घटनाओं पर ऐतिहासिक प्रमाण मांगे जाते हैं, वहीं दूसरी ओर वक्फ़ बोर्ड की विवादास्पद संपत्तियों और उसके रिकॉर्ड पर उठते सवालों पर चुप्पी साध ली जाती है। भगवान श्रीराम, जो करोड़ों हिंदुओं के लिए आदर्श पुरुष और आस्था का केंद्र हैं, उनके अस्तित्व को लेकर राजनीतिक बहसें अक्सर उठती रही हैं। कुछ राजनीतिक दलों और संगठनों ने अदालतों में हलफनामे दाखिल कर यह दावा किया कि राम कोई ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं थे, और मंदिर निर्माण के लिए ऐतिहासिक प्रमाण मांगे गए। मतलब साफ है आस्था को ह्लकागजी सबूतह्ल के तराजू पर तौला गया, जबकि यह विषय लाखों वर्षों से श्रद्धा का हिस्सा रहा है। जबकि वक्फ़ बोर्ड एक ऐसा मसला है जिसे मुस्लिम धार्मिक और परोपकारी कार्यों के लिए जमीनें और संपत्तियां दी जाती हैं। लेकिन समय के साथ यह संस्थान विवादों में घिरता गया। देशभर में कई जगहों पर ऐसी संपत्तियां हैं जिन पर वक्फ़ बोर्ड दावा करता है, लेकिन उनके पास न तो स्पष्ट दस्तावेज होते हैं, न ही पारदर्शी प्रक्रिया। हाल ही में कुछ राज्यों में वक्फ़ की ह्लसीक्रेट लिस्टह्ल लीक होने के बाद यह मामला और गरमाया। वक्फ़ संपत्तियों पर हो रहे घोटाले, अवैध कब्जे, और बढ़ती दावेदारियां आज एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुके हैं। फिर भी कई राजनीतिक दल इस पर सवाल उठाने से बचते हैं। इसके पीछे वोटबैंक की राजनीति, तुष्टिकरण की नीति और तथ्यों से मुंह मोड़ने की प्रवृत्ति देखी जाती है।

कहने का अभिप्राय यह है कि देश को अब चुनिंदा आस्थाओं पर सवाल उठाने की बजाय, एक समान दृष्टिकोण अपनाना होगा। जब राम के लिए सबूत मांगे जाते हैं, तो वक्फ़ की हर जमीन और संपत्ति पर भी वैसा ही पारदर्शी हिसाब देना होगा। लोकतंत्र में आस्था और दावेदारी दोनों के लिए एक ही कानून लागू होना चाहिए। जब एक धार्मिक आस्था पर साक्ष्य मांगे जाते हैं, तो क्या उसी कठोरता से वक्फ़ की दावेदारियों की भी जांच नहीं होनी चाहिए? क्या देश की भूमि पर हर दावे के लिए एक समान प्रक्रिया और पारदर्शिता नहीं होनी चाहिए? हालांकि भरत में धर्म और कानून का आपसी संबंध हमेशा संवेदनशील और जटिल रहा है। वक्फ़ एक्ट और प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 आज भी बहस और विवाद के केंद्र में हैं। प्लेसेज ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रोविजन्स) एक्ट, 1991 तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा पारित किया गया था। इसका उद्देश्य धार्मिक स्थलों की स्थिति को 15 अगस्त 1947 की स्थिति में ह्लफ्रीजह्ल करना था। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या यह एक्ट बहुसंख्यकों की आस्था पर कुठाराघात नहीं है? क्या यह कानून ऐतिहासिक तथ्यों की उपेक्षा नहीं करता? जबकि भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता, धार्मिक स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। ऐसे में किसी भी कानून को धार्मिक संतुलन और सामाजिक समरसता के सिद्धांतों पर खरा उतरना चाहिए। वक्फ़ एक्ट में पारदर्शिता और संतुलन की जरूरत है। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट की पुनर्समीक्षा समय की मांग बनती जा रही है।

जहां तक वक्फ कानून का सवाल है तो लोगों को समझना होगा कि यह कानून हक छीनने के लिए नहीं हक दिलाने के लिए है। इससे न सिर्फ राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी बल्कि यतीम, गरीब मुसलमानों को उनका हक मिलेगा. जिस तरह से पूर्व में मुसलमानों के साथ धोखा हुआ करता था. उससे आजादी मिलेगी। वक्फ संपत्तियों के लिए मुतवल्ली बनाए गए अधिकांश लोग मालिक बन गए। जबकि वक्फ संपत्तियां अल्लाह को दी गई हैं। ये कभी बेची नहीं जा सकतीं, ना उनके स्वरूप में बदलाव किया जा सकता है। इसके बाद भी मुतवल्लियों ने वक्फ संपत्तियों पर या तो अपना नाम चढ़ा लिया या अपने परिवार व नजदीकी लोगों के नाम चढ़वा दिए। स्थिति यह है कि जिन संपत्तियों का किराया एक लाख हो सकता था, उन्हें 5000 के किराये पर दे दिया। कुछ राशि काले धन के रूप में चुपचाप ले ली गई। देश में चार लाख 50 हजार वक्फ संपत्तियां हैं, जिसमें वक्फ जमीन का कुल रकबा छह लाख एक-ड़ है। अगर इनका उपयोग ठीक से किया जाता है तो 10 प्रतिशत के हिसाब से सालाना 12 हजार करोड़ रुपये की आय होती। लेकिन, मौजूदा समय में सिर्फ 163 करोड़ रुपये की आय हो रही है। सच्चर कमेटी ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार से मुतवल्लियों और भ्रष्ट अधिकारियों को निलंबित करने के साथ ही संपत्तियों को कब्जा से मुक्त कराने, राष्ट्रीय स्तर पर एक कॉर्पोरेशन बनाने और वक्फ संपत्तियों का सदुपयोग करके गरीब मुसलमानों के जीवन को बेहतर बनाने का भी सुझाव दिया था। 2004-2014 तक देश की सत्ता संभालने वाली कांग्रेस सरकार ने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट मानने की बात तो दूर, 2013 में इस वक्फ अधिनियम में एक नया संशोधन कर दिया और वक्फ संपत्तियों की लूट को और छूट दे दी। और जब बीजेपी सरकार उसमें सुधार कर रही है तो विपक्ष लोगों को गुमराह कर रहा है कि यह मुसलमान विरोधी कानून है, जबकि वे खुद यह नहीं कह पा रहे हैं कि मोदी सरकार वक्फ की जमीनों से अवैध कब्जे हटवा रही है.

खास यह है कि वक्फ बोर्ड संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा वक्फ बाय यूजर का बन गया है. हिंदू पक्ष जिस तरह इस मुद्दे पर आक्रामक हुआ है उससे लगता है कि सरकार इस विषय पर झुकने के मूड में नहीं है. सीजेआई संजीव खन्ना कहते हैं कि कई ऐसी मस्जिदें हैं जो 14वीं-15वीं शताब्दी में बनी हुई हैं, ऐसे में वो दस्तावेज कहां से दिखाएंगे क्योंकि अंग्रेजी राज से पहले रजिस्ट्रेशन की कोई प्रक्रिया ही नहीं थी. उनके इस तर्क पर मुस्लिम पक्ष में जहां खुशी की लहर है वहीं हिंदुओं की दुखती रग पर कोर्ट ने हाथ रख दिया है। जाहिर है कि हिंदू पक्ष को लग रहा है कि जब मंदिरों की बात आती है तो यही कोर्ट उनसे कागजात मांगता है. और आज इसी कोर्ट में जब वक्फ की बात हो रही है तो उससे यह लग रहा है कि उस दौरान के दस्तावेज कहां मिलेंगे? इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि वक्फ बाय यूजर शब्द को हटाने से कुछ संपत्तियों पर से वक्फ बोर्ड को हाथ धोना पड़ सकता है, पर इस शब्द के दुरुपयोग के चलत ही तो यह कानून आया है. याद करिए देश में पिछले कुछ सालों में किस तरह अंधाधुंध वक्फ बोर्ड ने कब्जे किए है. कुछ समय पहले कर्नाटक में किसानों की 15 सौ एकड़ जमीन और केरल में छह सौ ईसाइयों की संपत्ति पर वक्फ बोर्डों के दावे को खारिज करने और पीड़ितों के हितों की रक्षा करने का आश्वासन देने के लिए वहां के मुख्यमंत्रियों को आगे आने पड़ा था. इन दोनों ही राज्यों में बीजेपी की सरकारें नहीं हैं.

जाहिर है कि वक्फ बाय यूजर शब्द ने सरकारों को मुश्किल में तो डाल ही दिया है. सवाल और भी हैं जिसका जवाब जनता जानना चाहती है सुप्रीम कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने इस मसले को गंभीरत से लिया है। उन्होंने पूछा है कि आखिर कई विपक्षी राजनीतिक दलों की याचिकाएं सीधे सुप्रीम कोर्ट में कैसे स्वीकार कर ली जाती हैं, जबकि हिन्दुओं को अयोध्या से लेकर काशी-मथुरा तक के लिए जिले की कचहरी से होकर गुजरना पड़ता है और सदियों लग जाते हैं.जाहिर है कि जैन की बात में दम है. अब वक्फ बोर्ड मामले को ही देखिए कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दो दिन सुनवाई की है. काशी में ज्ञानवापी के सर्वे में भी निकला कि ये हिन्दू मंदिर है, मस्जिद की दीवारों पर, ऐतिहासिक किताबों पर तमाम साक्ष्य होने के बाद आज तक कोई स्टे नहीं आया. मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद और मध्य प्रदेश स्थित भोजशाला मंदिर को लेकर भी कभी स्टे नहीं आया. विष्णु शंकर जैन ने पूछा कि आखिर क्या कारण है कि एक पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाता है तो तुरंत उसकी याचिका स्वीकार कर ली जाती है और अंतरिम राहत देने की बात भी की जाती है, जबकि दूसरे पक्ष के लिए ये कानून लागू नहीं होता.अधिवकने कहा कि पिछले 13 वर्षों से 4 राज्यों में एंडोमेंट एक्ट के जरिए मंदिरों पर कब्जा किए जाने के विरुद्ध सुनवाई चल रही है, हाल ही में फैसला भी आया है जिस..में सारे मुद्दों को हाईकोर्ट में भेज दिया गया है. विष्णु शंकर जैन ने कहा कि ये सारे सवाल इस मामले में क्यों नहीं किए जा रहे हैं? मतलब साफ है वक्फ बाय यूजर को लेकर जिस विवाद को उठाया जा रहा है कम से कम ये बात हिंदुओं को तो नहीं ही हजम होने वाली है. आखिर अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि के कागज के लिए ही तो 134 वर्षों तक कोर्ट में लड़ाई लड़नी पड़ी. जाहिर है कि जिस तरह पूजा स्थल अधिनियम में 1947 वाला ब्रेकेट लगा दिया गया कि हिंदू भविष्य में काशी, मथुरा, भद्रकाली, भोजशाला और अटाला की बात नहीं करेंगे. उसी तरह क्या वक्फ अधिनियम में व्यवस्था नहीं होना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के पास मौका है कि पूजा स्थल अधिनियम की तरह ऐसी व्यवस्था के लिए आदेश जारी कर दे. लेकिन बड़ा सवाल तो यही हे क्या सुप्रीम कोर्ट निष्पक्षता का ध्यान नहीं रख पा रहा है और चाहे-अनचाहे एक पक्ष के साथ खड़ा दिखता है और दूसरे के विरोध में? क्या सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा लगातार लांघ रहा है? ऐसे सवाल चैतरफा उठ रहे हैं।पहले सोशल मीडिया और आम बातचीत में इसकी चर्चा होती थी, लेकिन अब तो सरकार की तरफ से भी यह चिंता जताई जाने लगी है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तो साफ-साफ शब्दों में कह रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट संविधान में खींची गई सीमा से निकलकर विधायिका और कार्यपालिका के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि सुप्रीम कोर्ट ही अब कानून बनाना चाहता है और वह ऐसा कर भी रहा है। इधर, सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और टिप्पणियों की कड़ी आलोचना हो रही है। वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर तो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर टॉप ट्रेंड्स चल रहे हैं। इनमें लोग एक से बढ़कर एक उदहारणों के साथ दलीलें दे रहे हैं कि कैसे सुप्रीम कोर्ट देश की दो सबसे बड़ी आबादी के बीच भेद करता है। सोशल मीडिया यूजर्स इस बात पर हैरानी जता रहे हैं कि जो सुप्रीम कोर्ट राम मंदिर के प्रमाण मांग सकता है, वही यह कैसे कह सकते है कि 14वीं-15वीं सदी की मस्जिदों के कागज नहीं मांगे जाने चाहिए! सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के एक प्रावधान ह्लवक्फ बाय यूजरह्लको नए वक्फ कानून में हटा दिए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। इस पर सोशल मीडिया पूछ रहा है कि जब वक्फ बाय यूजर हो सकता है तो मंदिर बाय यूजर, गिरिजाघर बाय यूजर, गुरुद्वारा बाय यूजर क्यों नहीं? हिंदू हितों की पैरवी करने वाले वकील विष्णु शंकर जैन कहते हैं कि जब राम मंदिर का प्रमाण मांगा गया तो मस्जिदों का कागज क्यों नहीं मांग जाए?

वक्फ एक्ट के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नए वक्फ एक्ट के ज्यादातर प्रावधान अच्छे हैं, लेकिन तीन प्रावधानों पर सरकार को सफाई देनी होगी। वक्फ कानून का विरोध करने वालों से भी सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि नया कानून किस तरह से मुसलमानों के बुनियादी हकों का हनन करता है। सरकार से कोर्ट ने कई सवाल पूछे..जैसे कलेक्टर को इतने अधिकार क्यों दिए? वक्फ बाई यूजर प्रोविजन खत्म करने का क्या असर होगा? वक्फ कानून को चुनौती देने वालों को उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही दिन इस कानून पर रोक लगा देगा पर ऐसा हुआ नहीं। वादियों को सिर्फ इस बात पर संतोष करना पड़ा कि कोर्ट ने सरकार से सख्त सवाल पूछे। कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोधियों की चितांओं पर गौर किया। ऐसा लगा कि सुप्रीम कोर्ट वक्फ कानून पर कोई अन्तरिम आदेश जारी कर सकता है। ये आदेश मोटे तौर पर तीन मुद्दों पर हो सकता है। एक, वक्फ कौंसिल और बोर्ड में गैर मुसलमानों की नियुक्ति पर, दूसरा, वक्फ के नए कानून में कलेक्टर के रोल और अधिकारों पर, और तीसरा, वक्फ की प्रॉपर्टी सीज करने के सरकार के अधिकार पर। लेकिन अभी तो बहस का शुरूआती दौर है।

इस केस में करीब सौ पिटिशंस हैं. मौलाना महमूद मदनी और असदुद्दीन औवैसी जैसे लोग वादी हैं। बहुत सारे बड़े-बड़े वकील हैं, अभिषेक मनु सिंघवी, कपिल सिब्बल, राजीव शकधर, संजय हेगड़े, हुजैफा अहमदी, राजीव धवन, ये सब बड़े वकील हैं। इनको सुनना होगा। वक्फ प्रॉपर्टीज को लेकर 40 हजार से ज्यादा मामले कोर्ट में लम्बित है। इनमें से दस हजार केस तो मुसलमानों ने फाइल किया है और वक्फ बोर्ड पर उनकी पर्सनल प्रॉपर्टी पर कब्जे का आरोप लगाया है। बाकी तीस हजार केस सरकारी संपत्तियों को वक्फ प्रॉपर्टी घोषित करने के हैं। सैकड़ों साल पुराने मंदिरों को वक्फ प्रॉपर्टी घोषित करने का केस भी है। इसलिए सुनवाई लंबी चलेगी। एक समस्या ये भी है कि चीफ जस्टिस संजीव खन्ना जो इस केस की सुनवाई कर रहे हैं, 13 मई को रिटायर हो जाएंगे। उन्होंने आने वाले चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए जस्टिस बी.आर.गवई का नाम सरकार को भेज दिया। सवाल ये है कि अगर 13 मई तक सुनवाई पूरी नहीं हुई तो क्या होगा? क्या नई बेंच पूरे केस को फिर से सुनेगी? सुप्रीम कोर्ट ने एक अच्छा काम ये किया कि पश्चिम बंगाल में वक्फ के कानून को लेकर हिंसा करने वालों को चेतावनी दी और कहा कि जब कोर्ट इसकी

सुनवाई कर रही है तो हिंसा करने का क्या मतलब। जब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही थी, उस वक्त भी पश्चिम बंगाल में हिंसा हुई। मुर्शिदाबाद में कुछ दुकाने जलाईं गईं, फिर कुछ घरों पर पथराव हुआ। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इमामों के एक सम्मेलन में कहा कि बंगाल में हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, दंगा करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त एक्शन लेगी। इसके बाद ममता बनर्जी ने बंगाल में हो रही हिंसा को बीजेपी की साजिश करार दिया। पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर मैंने तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के बयान सुने हैं। किसी ने कहा कि बीजेपी के इशारे पर बांग्लादेश से लोग आए और हिंसा करके भाग गए लेकिन उन्होंने ये नहीं बताया कि हिंसा करने वाले बांग्लादेशियों को पुलिस ने पकड़ा क्यों नहीं ? किसी ने कहा कि हिंसा करने वाले अच्छी खासी हिंदी बोल रहे थे, बीजेपी, बिहार से ट्रक भर-भरकर लाई और दंगा करवाया। अब इन लोगों से कोई पूछे कि जब बिहार से लोग ट्रकों में भर भरकर आ रहे थे, दंगा कर रहे थे तो बंगाल की पुलिस को कुछ दिखाई क्यों नहीं दिया? बीजेपी के नेता भी कम नहीं हैं। शुभेंदु अधिकारी योगी आदित्यनाथ का डर दिखा रहे हैं।राजनीति दोनों तरफ से हो रही है।आग दोनों तरफ लगी है।उसे बुझाने में किसी की दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि सब इस आग में अपना फायदा देख रहे हैं।

गरीब पीड़ित और बेसहारा लोगों के लिए संघर्ष करेगी : जनताहित फाउंडेशन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। गरीब, जरूरतमंद लोगों के न्याय और अधिकार के लिए आवाज उठाने वाली सेवाभावी संस्था जनताहित फाउंडेशन ने किराए के मकान में रहने वाले लोगों को खुद का मकान दिलाने का बीड़ा उठाया है। इस विषय में रविवार को कल्याण पश्चिम के श्रीदेवी अस्पताल के पास श्रीराम हाल में एक बैठक ली गई। बैठक में वह आम लोगों मौजूद थे जिनके पास रहने के लिए खुद का घर, मकान नहीं है। जनताहित फाउंडेशन के राष्ट्रीय महासचिव नियाज शेख ने बताया कि उनकी संस्था समाज के गरीब पीड़ित और बेसहारा लोगों को उनका हक दिलाने के लिए संघर्ष करती है। इस बैठक में मकान के लिए फॉर्म भरे गए। नियाज शेख ने कहा कि उन्होंने स्वयं घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया है। वह लोगों को खुद का मकान दिलाने के लिए सरकार से मांग करेंगे। इसके लिए राज्य सरकार और जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार के दरबार में भी जाने के लिए वे तैयार है। इस मौके पर संस्था के महाराष्ट्र अध्यक्ष रितेश कांबले सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विश्व हिंदू परिषद ने बंगाल में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर निकाला मोर्चा

संजय मिश्रा/मुंबई(उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद द्वारा बंगाल में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ भारी संख्या में एकत्रित होकर मोर्चा निकाला गया। यह मोर्चा मुंबई के दादर ईस्ट में आयोजित किया गया। यहां पर भारी संख्या में हिंदू एकत्र होकर बंगाल में हिंदुओं पर रोज अत्याचार किया जा रहा है, उनको मारा पीटा जा रहा है, बहन बेटियों के साथ अत्याचार किया जा रहा है। यहां तक की बहुत सारे हिंदू अपना घर छोड़ने पर मजबूर हो चुके हैं। वहां की सरकार आंखें बंद करके बैठी है। इस अवसर पर आज मुंबई में जो हिंदुओं के अंदर आक्रोश गुस्सा देखा गया उसी को लेकर भारी संख्या में विश्व हिंदू परिषद द्वारा हिंदुओं की आवाज उठाया गया। लोगों ने मांग किया कि जल्द से जल्द बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाय नहीं तो जगह-जगह पर मोर्चा विश्व हिंदू परिषद द्वारा निकाला जाएगा।

आर्य गुरुकुलने ऑनर सोसाइटी समारोह में छात्र उत्कृष्टता का जश्न मनाया

कल्याण (उत्तरशक्ति)। 19 अप्रैल को, आर्य गुरुकुल ने गर्व से अपनी वार्षिक आर्य गुरुकुल ऑनर सोसाइटी की मेजबानी की। (एजीएचएस) कार्यक्रम, एक प्रिय परंपरा है जिसका उद्देश्य शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाना और उन्हें सम्मानित करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माईसेट क्योर क्लिनिक के संस्थापक डॉ. इस वर्ष समारोह में दिनेश गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस कार्यक्रम की एक उल्लेखनीय विशेषता आर्य गुरुकुल के उभरते लेखकों का परिचय था। हाल ही में, स्कूल ने ₹आर्य गुरुकुल के उभरते लेखकₔ कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जो कक्षा 2 से 9 तक के छात्रों को लेखन के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को तलाशने और व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ब्रीबुक्स और पेंगुइन हाउस पब्लिकेशन्स के सहयोग से की गई इस पहल से युवा लेखकों की साहित्यिक कृतियों के प्रकाशन में मदद मिली और उनकी लेखन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। एजीएचएस (ए ग्रेट होम स्कूल) के प्रतिष्ठित कार्यक्रम में उभरते लेखकों और अग्रणी शिक्षकों को साहित्यिक सफलता का जश्न मनाने और शैक्षिक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया। उल्लेखनीय रूप से, आराध्या भटनागर और पंद्रह अन्य उभरते लेखकों को उनके साहित्यिक योगदान के लिए वैश्विक मान्यता मिली है, और उनकी पुस्तकें शीघ्र ही प्रकाशित और विक्रय की जाएंगी।

एजीएचएस कार्यक्रम में 220 अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जो अपने बच्चों की उपलब्धियों का समर्थन करने और उनका जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे। छात्रों ने विभिन्न प्रकार की कहानियां प्रस्तुत कीं, जिनमें मुख्यतः गैर-काल्पनिक कहानियां थीं, जिनमें उनकी यात्राओं के रोमांच, मित्रता और आनंद के क्षण प्रतिबिंबित थे। इसके अलावा, जो लोग हॉरर, थ्रिलर और रहस्य शैलियों के क्षेत्र में गोता लगाने की क्षमता रखते हैं, वे प्रस्तुत साहित्यिक रचनाओं की विविधता को और अधिक बढ़ाते हैं।

आर्य गुरुकुल के विद्यार्थियों की असाधारण प्रतिभा और रचनात्मकता को उजागर करने वाली प्रकाशित कृतियों को प्रकाशकों से प्रशंसा मिली है। यह पहल न केवल युवा लेखकों को प्रोत्साहित करती है, बल्कि उनके रचनात्मक प्रयासों में उपलब्धि और गर्व की प्रबल भावना भी पैदा करती है।

अंततः, आर्य गुरुकुल ऑनर सोसाइटी कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जिसमें छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया और स्कूल समुदाय के भीतर रचनात्मकता की जीवंत संस्कृति को बढ़ावा दिया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज को मानने वाले हिंदी भाषा का विरोध ना करें: गोपाल शेट्टी

बोरीवली (उत्तरशक्ति)। विदेशों में जब हम हिंदी बोलते है तो वहां के लोग हमें पहचान लेते हैं, वे कहते हैं कि आप हिंदुस्तान से हो, भारत से हो। पूरी दुनिया में हिंदी भाषा 'भारत की बोली' के रूप में पहचानी जाती है। यह एक उत्कृष्ट संपर्क भाषा है। ऐसे में इस भाषा का विरोध करना अव्यवहारिक और दुःखद होगाₔ यह कहना है उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी का। वे मीडिया से मुखातिब होकर हिंदी का विरोध होने जैसे सवाल पर अपने विचार प्रकट कर रहे थे। दरअसल महाराष्ट्र सरकार ने राज्य भर के मराठी और इंग्लिश मीडियम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना अनिवार्य कर दिया है। राज्य की बीजेपी सरकार के इस कदम पर विपक्षी दल कांग्रेस और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने जहां आपत्ति जताई है, वहीं भाजपा के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले को सराहा है और कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से ही 'लोकल फॉर वोकल' की बात कहते आए हैं। उनके अनुसार राज्य की भाषा को प्रधानता देनी ही चाहिए। महाराष्ट्र में पहले मराठी भाषा को ही वे भी प्रधानता देते हैं, फिर संपर्क भाषा हिंदी को भी महत्व देते हैं। इंग्लिश ग्लोबल भाषा है जो हमें बिजनेस के लिए उपयोगी होती है। यह किसी से छिपा नहीं है। पर संपर्क भाषा हिंदी के महत्व को कम आंकना गलत है।

दुनिया में हिंदी हमारी पहचान है। इसलिए मै पूरे महाराष्ट्र के लोगों से निवेदन और आह्वान करता हूँ की महाराष्ट्र में हिंदी भाषा का विरोध ना करें। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक करने के लिए काशी के विद्वान पंडित गागाभट्ट को बुलाया गया था। वह इसलिए नहीं बुलाया गया था कि महाराष्ट्र में विद्वान ब्राहमण नहीं थे, बल्कि इसलिए बुलाया गया था की छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र को सीधे तौर पर राष्ट्र के साथ जोड़ना चाहते थे। जनसेवक गोपाल शेट्टी का स्पष्ट मत है कि छत्रपति शिवाजी महाराज को मानने वाले लोगों को हिंदी का विरोध नहीं करना चाहिए। उन्होंने अंत में कहा कि महाराष्ट्र यदि हिन्दी भाषा के लिए साथ खड़ा हो जाए तो किसी की भी हिम्मत नहीं है कि कोई भी हिंदी भाषा का विरोध कर सके।

स्नेहा दुबे ने किया जनसम्पर्क कार्यालय उद्घाटन

वसई रोड। छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, जुचंद्र, नायगांव (पूर्व) में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के जनसंपर्क महिला कार्यालय जो श्रीमती हर्षला प्रवीण गावड़े का है उसका उद्घाटन स्नेहा दुबे पंडित के शुभ हाथों द्वारा श्री छत्रपति महाराज की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया। ये ₹महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम था। इस जनसंपर्क कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर श्रीमती हर्षला प्रवीण गावड़े, प्रवीण गावड़े, जिग्नेश म्हात्रे, श्रीमती अपर्णा पाटिल, श्रीमती साधना धुरी एडवोकेट ,धरेंद्र कुलकर्णी, संदीप पाटिल, श्रीमती विजेता सुर्वे, अनुज,. अभिजीत जैन, धर्मेन्द्र मिश्रा, सी.बी. मिश्रा, श्रीकांत चन्याल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित थे।

विधायक राजन नायक ने किया ग्लोबल सिटी का दौरा

नालासोपारा। नालासोपारा विधायक राजन नाइक ने ग्लोबल सिटी में एक मुलाकात में बताया कि पिछले पंद्रह वर्षों से चले आ रहे सूखे पर काबू पाना यह मेरा वादा हैं। ग्लोबल सिटी के रुस्तमजी एच और जे एवेन्यू में पेयजल पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हो गया है।

इस इलाके में करीब 10 से 15 हजार लोग रहते हैं, लेकिन इतने सालों बाद भी उन्हें पीने के पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है। टैंकर-मुक्त वैश्विक शहर का लक्ष्य जल्द ही पूरा होने वाला है। नाला सोपारा विधायक राजन नाइक के साथ सामाजिक कार्यकर्ता मयूरेश वाघ, विरार पश्चिम मंडल अध्यक्ष रवि पुरोहित, संजोग यांडे, सौं संवि यंदे. गौरव राउत. सौन मंजरी पंड्या. उपस्थित थे।

मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

नरेंद्र सोनी

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड भारतीय जनता पार्टी मध्यवर्ती कार्यालय पर वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर का जन्मदिन मनाया गया। इसी के साथ में मनोज चोटालिया और सकानि नूरानी का भी जन्म दिन मनाया गया। जिसका आयोजन प्रदेश सचिव अपर्णा पाटिल और कल्पेश पाण्डेय ने किया।

जन्मदिन पर लंबी आयु की शुभकामना देने के लिए विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नवीन दुबे और उनका परिवार वसई, भाजपा ज्येष्ठ नेता चंद्रशेखर धुरी, भानुशाली दादा, माजी नगर सेवक किरण, अभय कंकड़, केतन गांधी, उदय शेट्टी, चेतन पागी, उत्तमकुमार, बकुल मेहता, अपर्णा पाटिल, निशा फाटक, सुगंधा खंडविकलर, सुरेश प्रजापति, सिद्धेश तावड़े, बृजेशकुमार, कल्पेश चौहान, मनोज शर्मा, मनिंदरसिंह कोहली, शेमल, कल्पेश पाण्डेय, दुर्लभभाई सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे। मेहमान ने महेश सरवनकर को

लंबी आयु की शुभेच्छा दिया और पार्टी में और आगे बढ़ ने की शुभ कामना दिया। उत्तरशक्ति डेली न्यूज पेपर के रिपोर्टर नरेंद्र सोनी ने भी शुभ कामना दिया।

मनपा के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के स्वीमिंग पूल में डूबकर मासूम की मौत

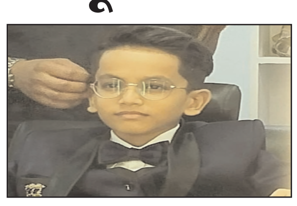

भायंदर (उत्तरशक्ति)। एक सामान्य दिन, एक नियमित समर कैंप, और एक मौत, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। घटना है भायंदर पूर्व के स्व. गोपीनाथ मुंडे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, भायंदर की, जहां के स्वीमिंग पूल में डूबकर 11 वर्ष के मासूम बच्चे ग्रंथ हसमुख मुथा की मौत हो गई। जिससे मासूम के परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। नवघर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता हसमुख मुथा के मुताबिक ग्रंथ तपोवन विद्यालय, मीरारोड पूर्व में 6ठीं कक्षा का एक मेघावी छात्र था। वह पिछले 7 दिनों से मीरा-भायंदर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्वीमिंग सीखने के लिए जा रहा था, जहां रविवार को सुबह वह 11 से 12 बजे की शिफ्ट में स्वीमिंग सीखने के लिए गया था, जहां ट्रेनर तथा लाईफ गार्डों की लापरवाही के चलते डूबने से उसकी मौत हो गई। स्वीमिंग करने के बाद उसके ग्रुप के बच्चों ने जब उसे अपने बीच नहीं पाया, तो सभी शोर मचाने लगे, जिसके बाद खोजबीन करने पर ग्रंथ का शव स्वीमिंग पूल में तैरते हुए मिला। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के कर्मी उसे लेकर तुंगा हॉस्पिटल गए, जहां चिकित्सकों ने ग्रंथ को प्राथमिक जांच में ही मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद इसकी सूचना मृतक के परिवार वालों को दी गई। मृतक के नजदीकी महेंद्र जैन ने बताया कि दो भाईयों में छोटा ग्रंथ शुरू से ही बहुत मेघावी था। हाल ही में सिंगापुर की परीक्षा में उसने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। ग्रंथ के निधन की सूचना मिलते ही मीरा-भायंदर के विधायक नरेंद्र मेहता, पूर्व नगरसेवक सुरेश खंडेलवाल, भगवती शर्मा समेत सैकड़ों लोग हॉस्पिटल में जमा हो गए और सभी के मन में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स प्रबंधन तथा कर्मचारियों की लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश दिखा।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के भतीजे युगांक राम त्रिपाठी के यज्ञोपवीत संस्कार में शामिल होने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक गोरखपुर पहुंचे। साथ में महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी जी महाराज, मशहूर कबि कुमार विश्वास, बीजेपी नेता प्रेम शुक्ल, यूपी के मंत्री संजय निषाद और दैनिक हिंट के एडिटर और न्यूज 1 इंडिया के मैनेजिंग पार्टनर कपिल त्यागी रहे। छाया: उत्तरशक्ति

भिवंडी लोकसभा में नए राजनीतिक समीकरण की आहट

- निलेश सांबरे और साईनाथ तारे की बढ़ती नजदीकियाँ
- महानगरपालिका चुनाव में दिखेगा नया राजनीतिक चित्र?

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ठाणे ज़िले के एक महत्त्वपूर्ण मतदारसंघ भिवंडी लोकसभा में नए राजनीतिक समीकरण की आहट महसूस की जा रही है। उद्धव बाळासाहेब ठाकरे पार्टी के भिवंडी लोकसभा संपर्कप्रमुख साईनाथ तारे और जिजाऊ सामाजिक संस्था के प्रमुख निलेश सांबरे की बढ़ती मुलाकातें चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आगामी महानगरपालिका चुनाव की पृष्ठभूमि में साईनाथ तारे और निलेश सांबरे के बीच बढ़ती नजदीकी को एक नए राजनीतिक गठबंधन की शुरूआत माना जा रहा है।भिवंडी लोकसभा की राजनीतिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए, पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में निलेश सांबरे ने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ा था और तकरीबन ढाई लाख वोट प्राप्त किए थे। वहीं साईनाथ तारे जिस पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) उसका भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में लगभग 3 से 3.5 लाख का वोटबैंक है। यदि साईनाथ तारे और निलेश सांबरे एक साथ आते हैं, तो आगामी चुनाव में यह मतों का आंकड़ा 6 लाख से भी पार जा सकता है।अगर गहराई से राजनीतिक समीकरण का विश्लेषण करें तो निलेश सांबरे कुणबी समाज से ताल्लुक रखते हैं, जबकि साईनाथ तारे आगरी समाज से आते हैं। तारे का प्रभाव आगरी, कोळी, कुणबी, आदिवासी, खानदेशी, मुस्लिम और बहुजन समाज में है। साथ ही ठाणे ज़िले के सभी प्रमुख राजनीतिक नेताओं के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध भी मजबूत हैं। एक मितभाषी और अजातशत्रु व्यक्तित्व के रूप में उनकी पहचान है। वहीं निलेश सांबरे को भी कुणबी, आदिवासी और बहुजन समाज में आदर का स्थान प्राप्त है और उनके सामाजिक कार्यों के चलते ये समाज उनसे मजबूती से जुड़ा हुआ है।ऐसे में पिछले कुछ दिनों से निलेश सांबरे और साईनाथ तारे की बढ़ती मुलाकातों ने कई लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इन दोनों नेताओं की राजनीतिक स्थिति, सामाजिक पकड़ और मतों के आंकड़े को देखते हुए, इनके एकसाथ आने से भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में एक नए राजनीतिक समीकरण की नींव पड़ती दिखाई दे रही है। इनकी लगातार हो रही मुलाकातों से इस बदलाव के संकेत स्पष्ट रूप से नजर आ रहे हैं। यह राजनीतिक नजदीकी भविष्य में कितना आगे जाएगी, यह आने वाला समय ही बताएगा।

स्वामी विवेकानंद स्कूल-कॉलेज ने नशामुक्त कुरार, सुरक्षित युवा हमारी जिम्मेदारी अभियान शुरू

आदेश मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मलाड पूर्व स्थित दीनदयाल शिक्षण संस्थान संचालित स्वामी विवेकानंद हायस्कूल व कॉलेज ने ₹नशामुक्त कुरार, सुरक्षित समृद्ध युवा जनजागृती हमारी, सामाजिक जिम्मेदारीₔ अभियान की शुरूवात की है। इस अभियान में आईआरएस समीर वानखेड़े मुख्य अतिथि और मार्गदर्शक वक्ता के रूप में शामिल हुए और विद्यार्थियों से सीधा संवाद साधा। नशा क्या है ? इस मुद्दे को सरल भाषा में समझाकर और इस नशे की बढ़ती समस्या और युवाओं में तेजी से फैलते इस जहर से कैसे दूर रहा जाए और इसे कैसे रोका जाए। इसमें पालक और शिक्षक की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। विद्यार्थियों से संवाद के दरम्यान फिल्मी हीरो के बजाय हमारे रियल हीरो जीवन के आदर्श छत्रपति शिवाजी महाराज, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, बाजी प्रभु, मंगल पांडे और देश पर अपने प्राण न्योछावर करनेवाले प्रत्येक महापुरुष की जीवन गाथा को पढ़कर उन्हें पूजना चाहिए। उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए, इस बात पर भी जोर दिया। समीर वानखेड़े के मुताबिक ₹स्लम पॉकेट में स्कूल मैनेजमेंट जरूरतमंद बच्चों के लिए अच्छा कार्य कर रहा है। इसकी सराहना करते हुए नशे से डरना नहीं, बल्कि लड़ना चाहिए और नशे के संदर्भ में कोई भी जानकारी प्राप्त होने पर फौरन पुलिस को सूचना देनी चाहिए।

हमें पूरा विश्वास है कि इस नैतिक जिम्मेदारी को सभी मिलकर पूरा करें तो इस नशे मुक्ति के चैलेंज को दूर किया जा सकता है।ₔ इस मौके पर ट्रस्टी डॉ नूतन सिंह ने ₹स्कूल के शैक्षणिक कार्यों का जिक्र करते हुए इसमें सहयोग करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया, साथ ही समीर वानखेड़े की तारीफ करते हुए कहा कि जो व्यक्ति समाज के लिए अच्छा कार्य करते हैं और वही व्यक्ति समाज में आकर अपने सभी अनुभवों को सामने रखता है तो उसका काफी असर पड़ता है। लोगों की जीवन-शैली पर उसका अच्छा प्रभाव पड़ता है।इस अवसर पर होनहार विद्यार्थियों और भारत के आने वाले भविष्य को सुदृढ बनाने का अच्छा कार्य कर रहे शिक्षकों का सम्मान किया। इस मौके पर आत्मसम्मान मंच के अध्यक्ष एडवोकेट नित्यानंद शर्मा, समाजसेवी, शिक्षा जगत और समाज के लिए तत्परता से काम करने वाले सम्मानित लोग एवं पालक वर्ग भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

रेलवे लाइन के पास मिला अधेड़ का शव,क्षेत्र में मचा हड़कम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के महमदपुर शिवाला के पास रेलवे लाइन से हटकर एक अज्ञात अधेड़ की गंभीर चोट से रक्तरंजित शव रविवार की सुबह मिलने से वहां भारी भीड़ एकत्र हो गयी। स्टेशन मास्टर एवं आरपीएफ की सूचना पर पहुंची मडियाहू पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मड़ियाहू स्टेशन पर तैनात प्वाइंट मैन आलोक कुमार पांडेय की माना जाए तो 27/14 किलोमीटर के पास एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव शरीर के विभिन्न हिस्सों पर गहरी चोटों की निशान के साथ महमदपुर गांव स्थित शिवाला के सामने रेलवे पटरी से थोड़ी दूर खेत में पड़ा हुआ देखा गया। जिसकी सूचना प्वाइंट मैंन ने आरपीएफ पुलिस के जरिए सुबह पुलिस को दिया गया। आशंका व्यक्त किया गया कि बांद्रा एक्सप्रेस से व्यक्ति की टक्कर लगने से मौत हो गई और वह दूर जा गिरा है। सूचना के बाद मड़ियाहू कोतवाली के सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने अपने फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर 50 वर्षीय व्यक्ति की काफी पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन पहचान नहीं हो सकी। शव के फोटो की बात करें तो व्यक्ति काले रंग की अंडरवियर जो नीचे खिसका हुआ है इसके साथ ही नीले रंग की जींस पैंट जो पूरी तरह नीचे खिसका हुआ पैर में फंसा है और नीले रंग का टी शर्ट पहना हुआ है। हाथ एवं सिर मुंह पर गहरा चोट का निशान है। उसका रेलवे लाइन से हटकर खेत में घास के बीच में शव पड़ा हुआ है। फिलहाल रेलवे प्रशासन उसको व्यक्ति की शव को बांद्रा एक्सप्रेस से दुर्घटना होना प्रथम हष्यता मान रही है लेकिन शव की स्थिति को देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने व्यक्ति को दुर्घटना का रूप देने के लिए रेलवे लाइन के पास फेंक दिया है फिलहाल यह पुलिस की जांच की दायरे में आ चुकी है दुर्घटना है अथवा अन्य कोई घटना है। अज्ञात व्यक्ति के शव मिलने से क्षेत्र में तरह तरह की चर्चा शुरू है।

घुरहू बिंद के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव लाकर किया गया अंतिम संस्कार

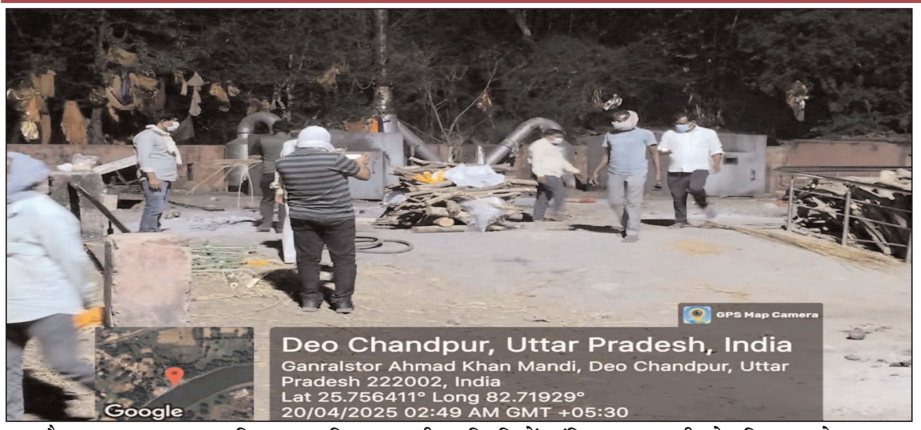

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने अवगत कराया है कि जनपद के तहसील मछलीशहर के बसीरहा गांव के मछुआरा समुदाय के घुरहू बिंद पुत्र रामानंद जिनकी हाल ही में कराची पाकिस्तान जेल में मृत्यु हो गई थी। के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव लाकर सम्मान के साथ जिला प्रशासन के सहयोग से, परिवारजन की उपस्थिति में अंतिम संस्कार करा दिया गया है। इस दौरान मेडिकल की एक टीम भी उपस्थित रही। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा पार्थिव शरीर को वाघा बॉर्डर से अमृतसर लाया गया जहां से एअरलिफ्टिंग कर पार्थिव शरीर को लाने का प्रयास किया गया। चूंकि यह अत्यधिक पुराना था। जिसके कारण संक्रमण फैलने का खतरा था। इसी को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गुजरात सरकार से समन्वय स्थापित करते हुए पार्थिव शरीर को सड़क मार्ग से जौनपुर लाया गया। जिसमें करीब 26 से 27 घंटे लगे। जिलाधिकारी ने केंद्र सरकार, मुख्यमंत्री तथा मुख्य सचिव का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनके अनुरोध पर सभी सुविधाएं प्रदान की गयी। जिससे पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव तक लाया जा सका। जिला प्रशासन के सहयोग से तथा परिवार की सहमति से दाह संस्कार कराया गया।परिजनों तथा गांव वालों के सहयोग से सम्मानपूर्वक दाह संस्कार संपन्न हुआ।उन्होंने कहा कि यद्यपि इस कार्य में कई कठिनाइयां उत्पन्न हुई लेकिन शासन के सहयोग से कार्य संभव हो सका। जिलाधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार अपने नागरिकों के साथ हैं। शासन के निदेर्शानुसार दिवंगत घुरहू के परिवार के सदस्यों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु उपजिलाधिकारी मछलीशहर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है।जो उनकी पात्रता की जांच करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के लाभों से आच्छादित करने का कार्य करेगी।

दो महीने बाद कब्र से निकाली गई लाश परिजनों को हत्या की आशंका

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के राऊतपुर गांव में रहने वाले केशलाल निषाद के 12 वर्षीय पुत्र सत्यम निषाद की मौत के दो माह बाद एक बार फिर मामला सुर्खियों में आ गया है। करीब दो माह पूर्व सत्यम का शव वीरपालपुर पेट्रोल पंप के पास हाईवे किनारे मिला था। उस समय परिजनों ने इसे सड़क दुर्घटना मानते हुए शव को गोमती नदी के किनारे पिलकिक्षा घाट पर दफना दिया था।पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। लेकिन अब परिजन इसे सामान्य हादसा नहीं मान रहे। परिजनों का आरोप है कि सत्यम हर सुबह दौड़ने जाता था। 15 फरवरी की सुबह कुछ लड़के घर आए और सत्यम को बुलाकर अपने साथ ले गए। इसके बाद उसका शव मिला। परिजनों का कहना है कि उसे पहले हत्या कर सड़क किनारे फेंक दिया गया और दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। उन्होंने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की पुनः जांच कराने की मांग की। डीएम के निर्देश पर रविवार को पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

थाना सरपतहाँ एवं स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा हत्या की घटना का सफल अनावरण

करते हुए आरोपी को 24 घंटे के अन्दर आलाकत्ल डण्डा के साथ किया गया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सरपतहाँ एवं स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए आरोपी को 24 घंटे के अन्दर आलाकत्ल डण्डा के साथ किया गया गिरफ्तार।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे । सघन अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी शाहगंज व प्रभारी निरीक्षक मय हमराह के द्वारा ग्राम डीह अशरफाबाद में घटित प्रभाकर सिंह उम्र 65 वर्ष की हत्या में त्वरित कार्यवाही करते हुए मृतक प्रभाकर सिंह के पुत्र अखिलेश उर्फ ओटू पुत्र प्रभाकर सिंह उम्र 35 वर्ष को हिरासत पुलिस मे लेकर पूछताछ के दौरान तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक प्रभाकर सिंह द्वारा कुछ लोगों को जमीन बेंचा गया था। जिसमें प्रभाकर सिंह के लड़के से पैसे के हिसाब के संबंध में बातचीत हो रही थी। उसी समय कहासुनी हुई, कहासुनी के दौरान डंडे से उनके सिर पर प्रहार किया गया। जिससे उनकी मृत्यु हो गयी थी उसके बाद मै पकड़ा न जाऊं उसके डर से पहने हुए कपड़ो को भीगो कर छिपा दिया गया था। दूसरा कपड़ा पहनकर वहां से डीएम ढाबा पर जाकर 02-03 घंटे व्यतीत किया उसके बाद देर रात 01 बजे के आस पास अपने घर वापस आकर सो गया था। फिर सुबह उठकर काम पर चला गया वहां से दोपहर करीब 12.30 के आस पास आकर अपने पिता की हत्या के संबंध में 112 पुलिस को सूचना दिया। वादिनी मुकदमा द्वारा आरोपी के मोबाइल से घटना के दिन बातचीत तथा धमकी देने के संबंध में वीडियो भी साक्ष्य के रुप में प्राप्त हुआ। मुकदमा उपरोक्त में अन्य प्राप्त साक्ष्य संकलन के आधार पर अभि0 अखिलेश उर्फ ओटू उपरोक्त को कारण गिरफ्तारी बताते हुए हिरासत पुलिस में लेकर आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही किया जा रहा है।

खाई में पलटी आर्टिका कार, किन्नर की हुई मौत, चालक की हालत नाजुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर प्रयागराज से लौट रही आर्टिका कार खाई में पलट गई।हादसे में एक किन्नर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई,वहीं चालक बुरी तरह से जख्मी हो गया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थाना क्षेत्र के सरायरूस्तम गांव की रहने वाली 29 वर्षीय किन्नर अंजली मूल रुप से आसाम की रहने वाली थी। वह करीब 16 वर्षों से मुंगराबादशाहपुर में शकीला किन्नर के साथ रह रही थी। शनिवार की शाम को वह अपने निजी आर्टिका कार से प्रयागराज गई थी। रविवार की अल सुबह करीब चार बजे लौटते समय प्रयागराज मार्ग पर पांडेयपुर गांव के पास आर्टिका अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। इस हादसे में आर्टिका में सवार किन्नर अंजली वाहन के नीचे आ गई जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि चालक 28 वर्षीय अंबुज मौर्य पुत्र बेद प्रकाश मौर्य निवासी कोदहूं गम्भीर रूप से घायल हो गया । घटना के पश्चात आस पास के लोग मदद के लिए दौड़े लेकिन तब तक किन्नर अंजली की मौत हो चुकी थी। अंबुज मौर्य को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देख चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चालक की हालत नाजुक बताईं जा रही है।इस संबंध में मुंगराबादशाहपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि वाहन खाई में पलटने से किन्नर की मौत हो चुकी है जबकि वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हैं। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अवैध रूप से संचालित ईरिक्शा व बिना हेलमेट वाले चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस का अभियान जारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उ0प्र0 शासन की मंशानुरूप चलाये जा रहे अभियान के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपंजीकृत एवं अवैध रुप से संचालित ई-रिक्शा के विरुद्ध 01 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक चलाये जा रहे विषेश अभियान के तहत जनपद जौनपुर में बिना लाइसेंस, बिना चेसिस तथा बिना फिटनेस ई-रिक्शा वाहनों को चेक किया गया जिसमें त्रुटी पाये जानें पर उनके विरुद्ध चालान/सीज की कार्यवाही भी की गयी। साथ ही 08 अप्रैल 2025 से 22 अप्रैल 2025 तक चल रहे हेलमेट अभियान के तहत दो पहिया वाहन पर चालक तथा सह यात्री के द्वारा हेलमेट नही धारण करनें पर चेकिंग तथा प्रवर्तन की कार्यवाही किया गया। ई-रिक्शा अभियान में दिनांकः01.04.2025 से 19.04.2025 तक प्रवर्तन का विवरणः ई-रिक्शा चालकों के विरूद्ध चालान 602 , ई-रिक्शा के चालान पर कारित जुमार्ना 1075000/-,ई-रिक्शा के चालान से जमा जुमार्ना 238000/-,ई-रिक्शा सीज -47 किए गए।

यूपी के नए विकास की तारीख लिखेगा 2027 : राशिद

* पूर्वांचल के समाजसेवी का खेतासराय में जोरदार स्वागत
* अखिलेश के बेहद करीबी हैं राशिद मंगरावा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के बेहद करीबी दुबई के बड़े कारोबारी आजमगढ़ के राशिद मंगरावा का खेतासराय में जोरदार स्वागत किया गया।कार्यकताओं के स्वागत से गदगद हुए पूर्वांचल के समाजसेवी, उद्योगपति में शुमार राशीद मंगरावा ने कहा कि आने वाला समय 2027 यूपी के नए विकास की तारीख लिखेगा। इसके लिए प्रदेश भर का हर नौजवान, किसान, व्यापारी, शिक्षित वर्ग, नौकरी पेशा लोग अभी से तैयारी में जुट गए है। राजधानी लखनऊ में सपा सुप्रीमो से मुलाकात के बाद अपने पैतृक गांव आजमगढ़ के मंगरावा जा रहे समाजसेवी राशिद के आने की खबर पर खेतासराय में सैकड़ो की संख्या में युवा फूल माला लिए उनका इंतजार कर रहे थे।खेतासराय कस्बा के कई स्थानों पर स्वागत का क्रम चलता रहा । इसके बाद मुख्य चौराहे पर दुबई के बड़े बिजनेसमैन उनके अजीज मित्र सलमान के प्रतिष्ठान पर वह काफी देर रुके रहे। इस दौरान पत्रकारों से काफी देर तक उन्होंने गुफ्तगू की।कहा कि प्रदेश भर में नए राजनीतिक बयार के बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। कई छोटे दलों के बड़े नेता पीडीए के साथ जुड़कर अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत कर रहे हैं। 2027 नजदीक आते ही यह राजनीतिक आगाज अपने चरम पर पहुंच जाएगा।इस मौके पर बिजनेसमैन सलमान इश्तियाक के अलावा ल मोहम्मद साकिब, मोहम्मद जाहिद खान, मोहम्मद खान, बशर पठान, रहमान मन्नू, पत्रकार मोहम्मद अरशद, मोहम्मद समीर समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

नहीं रहे भरतनाट्यम के प्रख्यात कलाकार डॉ. प्रेमचंद होम्बल, बनारस में होगा अंतिम संस्कार

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भरतनाट्यम नर्तक और शिक्षक डॉ. प्रेमचंद होम्बल का शनिवार को लखनऊ में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और लखनऊ के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर वाराणसी लाया जा रहा है, जहां 20 अप्रैल को पारिवारिक परंपरा के अनुसार उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। डॉ. होम्बल ने बीएचयू के संगीत एवं मंचकला संकाय में लगभग 37 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। एक समर्पित शिक्षक और विद्वान के रूप में वे भरतनाट्यम और नाट्यशास्त्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जाने जाते थे। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने और इसकी वैश्विक पहचान बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार, अंतिम संस्कार से पूर्व उनके पार्थिव शरीर को बीएचयू के आयुर्विज्ञान संस्थान (आईएमएस) में देहदान के लिए समर्पित किया जाएगा। यह निर्णय उनके शिक्षा और समाज सेवा के प्रति समर्पण को दशार्ता है। डॉ. होम्बल को उनकी कला और योगदान के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए। वर्ष 2000 में उन्हें उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और वर्ष 2021 में केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित गया था। उनके निधन से कला जगत में गहरा शोक व्याप्त है।

अवैध देशी पिस्टल, जिन्दा कारतूस व खोखा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों एवं वांछित/वारन्टी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन एंव क्षेत्राधिकारी केराकत, जौनपुर के कुशल निर्देशन व थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह थाना जलालपुर जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण में उ0नि0 रोहित राज यादव मय हमराह के द्वारा 01 आरोपी आशुतोष सिह पुत्र विजयमल सिह निवासी कोडरी थाना जलालपुर जौनपुर सम्बन्धित मु0अ0स0 117/25 धारा 351(3) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट को रात्रि में 01अवैध देशी पिस्टल .32 बोर व एक जिन्दा कारतूस .32 बोर व एक खोखा कारतूस .32 बोर के साथ हिरासत पुलिस में लिया गया। बाद गिरफ्तारी नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन प्रारम्भ, अपात्रों को नहीं मिलेगा लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला समाज कल्याण अधिकारी जौनपुर ने अवगत कराया है कि जनपद के 195903 लाभार्थियों का सत्यापन हो रहा है। उनके द्वारा 10 प्रतिशत क्रॉस वेरीफिकेशन किए जाएंगे। जीवित को मृतक दशार्ने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी/कर्मचारी पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जीरो पार्वटी अभियान के अन्तर्गत चिन्हित निर्धनतम परिवारों को भी वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिलेगा। बुजुगों को बेहतर जीवन देने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन चलायी जा रही हैं। वास्तविक एवं पात्र लाभार्थियों तक ही योजना का लाभ पहुच सके इसके लिए नये वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेंशन भुगतान के लिए सूची में शामिल लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्य सचिव के शासनादेश के द्वारा समस्त, मण्डलायुक्त और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिये गये हैं. जिसके अन्तर्गत वृद्धावस्था पेंशन जनपद जौनपुर में 195903 पेंशनरों का सत्यापन 25 मई 2025 तक किया जायेगा। मृतक एवं अपान पाये गये पेंशनटे को सूची से हटाकर उनकी जगह नये पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा।पात्रता की शर्ते इस प्रकार है- विभाग की ओर से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बीपीएल आय सीमा के अन्तर्गत वृद्धजनों को प्रतिमाह रू0 1000.00 की पेंशन डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जा रही है। इसके अन्तर्गत उ०प्र० का निवासी होना जरूरी हैं। ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक की वार्षिक आय रू० 46080 तथा शहरी क्षेत्र में रू0 56460 से कम होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र के बी०डी०ओ के माध्यम से और शहरी क्षेत्र उपजिलाधिकारी के माध्यम से करवाया जा रहा है।गलत सत्यापन पर दंडात्मक कार्यवाही भी की जाएगी। निदेशक समाज कल्याण द्वारा समस्त मंडलीय उप निदेशक एवं समाज कल्याण अधिकारियों को 10 प्रतिशत पेंशनरों का क्रॉस वेरिफिकेशन करते हुए सत्यापन की गुणवत्ता का परीक्षण करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके आधार पर जीवित पेंशनर्स को मृतक दर्शाए जाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ जिलाधिकारी द्वारा दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी। विभागीय अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सत्यापन समयबद्ध और गुणवत्तापरक होंगी ।जीरो पावर्टी अभियान में चिन्हित परिवारों को पेंशन मिलेगी। जीरो पावर्टी अभियान के अन्तर्गत प्रदेश सरकार द्वारा हर गांव से 25 परिवार चिन्हित किए गए है, जो आर्थिक रूप से कमजोर है, जिसमें जनपद जौनपुर के कुल 5960 वृद्धजन चिन्हित किये गये है, इन परिवारों को समाज की मुख्य की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समाज कल्याण विभाग ने कार्यवाही शुरू कर दी हैं। चिन्हित परिवारों के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के वृद्धजनों को भी सत्यापन के दौरान पात्रता के अनुसार आवेदन करवाए जाएंगें और उनको लाभ दिलाया जाएगा। उन्हें जून माह से प्रथम किश्त की पेंशन दी जाएगी। इस योजना को पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक का प्रयोग कर कई ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके लिए लाभार्थियों को समय से पेंशन का भुगतान सुनिश्चित करवाने के लिए उनके आधार प्रमाणीकरण की कार्यवाही की जाती है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर गौशालाओं में भूसा क्रय एवं भूसा दान प्राप्त करने का अभियान शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के निर्देश के क्रम में जनपद के गौशालाओं में भूसा क्रय एवं भूसा दान प्राप्त करने का अभियान शुरू हो गया है। जनपद में भूसा क्रय का लक्ष्य 69 हजार 372 कुंतल और दान का लक्ष्य 29 हजार 6 सौ 50 कुंतल निर्धारित किया गया है। यह अभियान 15 अप्रैल से 31 मई 2025 के बीच चलाया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभी तक दान के माध्यम से लगभग 2055 कुंतल प्राप्त तथा 12 हजार 13 कुंतल क्रय कर लिया गया है। जनपद के ईट भट्टा संघ व्यापार संघ, उधमियों सहित अन्य संगठनों के द्वारा भूसा दान किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के निर्देश के अनुपालन में भूसा दान दाताओं को प्रशंसा पत्र के साथ सम्मानित भी किया जाएगा। जिलाधिकारी ने प्रत्येक ग्राम सभा से 10 क्विंटल भूसा दान करने के निर्देश दिए गए हैं, इसके साथ ही जिला पूर्ति अधिकारी और पूर्ति निरीक्षक और अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करके भूसा दान की प्रक्रिया को सुनिश्चित कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में विकास खंड धमार्पुर के किरतापुर ग्राम से शहर के प्रतिष्ठित आंख सर्जन डॉ एन के सिंह द्वारा धमार्पुर गौशाला में 10 कुंतल भूसा दान में दिया गया। इसके साथ ही अन्य दान दाताओं द्वारा भी भूसा दान किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने जनपद के सम्मानित, प्रबुद्ध जन, सक्षम और इच्छुक लोगों से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग आगे आकर भूसा दान करें।

दस हजार का ईनामिया गैंगेस्टर एक्ट का वाँछित आरोपी गिरप्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के कुशल पर्यवेक्षण व निर्देशन मे थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय मय फोर्स द्वारा आज 20.04.2025 को थाना नेवढ़िया के मु0अ0सं0-36/25 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट के वाँछित अपराधी कालू उर्फ कल्लू पुत्र फूल सिंह उर्फ फूलमा निवासी मिल्किया थाना निगोही जनपद शाहजहाँपुर को मुखबीर की सूचना पर सिहोरीवीर मन्दिर के पास से प्रातः गिरफ्तार किया गया। उक्त अपराधी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक जौनपुर महोदय द्वारा 10000/- रुपए का ईनाम घोषित किया गया था। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जौनपुर : ताइक्वांडो खिलाड़ियों को विधायक ने किया सम्मानित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के बीआरपी इण्टर कालेज के प्रांगण में मां लालती ताइक्वांडो क्लब के 2 होनहार खिलाड़ी कनक और उत्कर्ष श्रीवास्तव को ब्लैक बेल्ट का सर्टिफिकेट मछलीशहर विधायक डा. रागिनी सोनकर ने दिया। साथ ही मां लालती ताइक्वांडो क्लब के राज्यस्तरीय और नेशनल मेडलिस्ट खिलाड़ियों का सम्मान भी किया गया। राष्ट्रीय स्तरीय खिलाड़ी गोल्ड मेडलिस्ट में मास्टर विराट मिश्रा एवं मास्टर उत्कर्ष श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। राज्यस्तरीय गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ियों में श्रेयांश सिंह पटेल, रौनक शुक्ला, उजाला निषाद, वीरांगना मिश्रा, अंतिम यादव, प्रखर उपाध्याय को सम्मानित किया गया।इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद बीआरपी इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डा. प्रमोद श्रीवास्तव, लॉ कालेज के प्रिंसिपल डा. आशुतोष मिश्रा, जौनपुर ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष डॉ तरुण शुक्ला, शूटिंग के राष्ट्रीय खिलाड़ी और कोच डा. अजीत सिंह सहित प्रभात तिवारी मौजूद रहे।

जौनपुर ताइक्वांडो एसोसिएशन की सचिव मास्टर प्रवीण मिश्रा ने बताया कि यह क्लब पिछले 14 वर्षों से संचालित है जहां मेरे कई खिलाड़ी ब्लैक बेल्ट, राष्ट्रीय स्तर और राज्यस्तरीय गोल्ड मेडलिस्ट रह चुके हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डा. रागिनी सोनकर ने बताया कि मास्टर प्रवीण मिश्रा 2010 से बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। मिशन शक्ति मिशन वीरांगना के साथ ताइक्वांडो सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दे रहे हैं। अभी तक की सब बड़े शहरों का खेल था। अब छोटे शहरों में भी इसका विस्तार हो रहा है। अन्त में ताइक्वांडो टीम मैनेजर मनोज मिश्रा ने सभी का आभार जताया।

हत्या कर खेत में फेंका, गेहूं काटने गए किसान की पड़ी नजर

देवरिया (उत्तरशक्ति)। यूपी के देवरिया स्थित तरकुलवा क्षेत्र के पकड़ी छापर पटखौली गांव में गेहूं की कटाई कराने कंबाइन मशीन लेकर गए किसान खेत में पड़ा ट्रॉली बैग देखकर अवाक रह गए। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना तरकुलवा पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे थानेदार ने मामले की गंभीरता को भांप कर तत्काल विभाग के आला अफसरों को सूचना दी और ट्रॉली बैग के आस-पास बैरिकेडिंग करा दी। सूचना पर एएसपी मौके पर पहुंच गए। उनकी मौजूदगी में ट्रॉली बैग खोला गया तो उसमें से एक युवक का शव निकला। खेत में बैग और उसमें शव की खबर समूचे इलाके में तेजी से फैल गई। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जुट गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त और मामले की तहकीकात में जुट गई है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आस-पास के इलाके में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है और फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। शव की हालत देख आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से खेत में फेंका गया है। तरकुलवा थाना क्षेत्र के पकड़ी छापर पटखौली गांव के जितेंद्र गिरि रविवार को गेहूं की फसल कटवाने खेत में कंबाइन मशीन लेकर पहुंचे थे। वह अपने खेत में पहुंचे ही थे कि उनकी नजर बगल के मदन जायसवाल के खाली पड़े खेत में एक ट्रॉली बैग पर पड़ी। उन्होंने इसकी सूचना तत्काल 112 नंबर पर दी। सूचना मिलते ही थानेदार तत्काल मौके पर पहुंच गए। मामले की गंभीरता को समझते उनको देर नहीं लगी और उन्होंने तत्काल ट्रॉली बैग के आसपास के क्षेत्र की बैरिकेडिंग करा दी। इसके बाद उन्होंने घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद वर्मा मौके पर पहुंच गए। उनकी उपस्थिति में बैग खोला गया तो अंदर युवक का शव पड़ा था। युवक के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या किए जाने का अनुमान पुलिस लगा रही है। जांच के लिए जिले से एसओजी टीम समेत अन्य टीमें लगाई गई हैं।

रोडवेज बस ने बाइक में मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

बांदा (उत्तरशक्ति)। साले की शादी में शामिल होने के बाद घर जाते समय रविवार दोपहर आम के बगीचे के सामने मोड़ पर तेज रफ्तार बाइक और उरई डिपो की रोडवेज बस की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दूल्हे के दो बहनोई की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भतीजा घायल हो गया। घायल को सीएचसी जसपुरा से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी अरुण की 18 अप्रैल को शादी थी। उसकी बारात पैलानी डेरा गई थी। शादी में शामिल होने के लिए दूल्हे के बहनोई शहर के मुक्तिधाम रोड निवासी उत्तम निषाद (38) और श्रीपाल निषाद (35) निवासी रामपुर के अलावा फतेहपुर के थाना जाफरगंज क्षेत्र के ककोरा बारा निवासी भतीजा श्रीकेशन (25) शुक्रवार को रामपुर आए थे। वहां से तीनों लोग बारात में भी शामिल हुए। बारात वापस घर आने के बाद रविवार की दोपहर को तीनों लोग बाइक में सवार होकर घर जाने के लिए निकले। आम के बगीचे के पास मोड़ पर बांदा से उरई की ओर जा रही रोडवेज बस से तेज रफ्तार बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। तब तक बाइक सवार दूल्हे के बहनोई उत्तम और श्रीपाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूल्हे का भतीजा श्रीकेशन जख्मी हो गया। घायल को सीएचसी जसपुरा में भर्ती कराया गया। वहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। जबकि दोनों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक उत्तम के तीन पुत्री और एक पुत्र है। पत्नी अंजू समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के साले अरुण ने बताया कि उसके बहनोई बालू खदान में जेसीबी चलाने का काम करते थे। जबकि मृतक श्रीपाल अपने पीछे दो पुत्री और पत्नी राजकली छोड़ गया है।

भीषण गर्मी के चलते नर्सरी से 8वीं तक के सभी स्कूलों का समय बदला

आगरा (उत्तरशक्ति)। भीषण गर्मी में लू के थपेड़ों से लोग बेहाल हैं। गर्म हवा के प्रकोप से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभाव के मद्देनजर जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी ने जिले में नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के सभी सरकारी, गैर सरकारी, प्राइवेट व मिशनरीज स्कूलों के समय में बदलाव किया है। सभी स्कूलों में अग्रिम आदेशों तक सुबह 7 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कक्षाएं लगेंगी। स्कूलों में कक्षाओं के संचालन के दौरान गर्मी से बचाव के पर्याप्त इंतजाम करने के आदेश जिलाधिकारी ने दिए हैं। सुबह 7 से दोपहर 12 बजे के बीच कक्षाओं में पंखा, कूलर, शीतल पेयजल की व्यवस्थाएं स्कूल प्रबंधन को करनी होंगी।इस दौरान स्कूल परिसर में खुले स्थान पर छात्र-छात्राओं की शैक्षिक व अन्य सभी गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। लापरवाही पर समस्त जिम्मेदारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों की होगी। इस बार अप्रैल माह में दो बार अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा चुका है

। शनिवार को तेज हवा चलने से अधिकतम तापमान में कमी तो आई लेकिन न्यूनतम तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि ने दिन और रात के तापमान के बीच के अंतर को कम कर दिया। अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच 13 डिग्री सेल्सियस का ही अंतर रह गया है। अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस रहा। ऐसे में अधिकतम तापमान कम होने के बाद भी लोगों को गर्मी की तीव्रता ज्यादा महसूस हुई। रविवार को भी तापमान में विशेष अंतर आने की संभावना नहीं है।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के भतीजे युगांक राम त्रिपाठी के यज्ञोपवीत संस्कार में शामिल होने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक गोरखपुर पहुंचे। साथ में महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी जी महाराज, मशहूर कबि कुमार विश्वास, बीजेपी नेता प्रेम शुक्ल, यूपी के मंत्री संजय निषाद और दैनिक हिंट के एडिटर और न्यूज 1 इंडिया के मैनेजिंग पार्टनर कपिल त्यागी रहे। छाया: उत्तरशक्ति

यूपी में सुनियोजित तरीके से फैलाया जा रहा नफरत का जहर—बाबा दुबे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश को शांति, अहिंसा, प्रेम और भाईचारा का संदेश देने वाला उत्तर प्रदेश, राजनीतिक विष वमन के चलते आज अपने मूल सिद्धांतों से दूर होता जा रहा है। वोट बैंक की लालच में एक सुनियोजित तरीके से घृणा और नफरत के बीज बोए जा रहे हैं। सदियों से भाईचारे के साथ रहने वाले लोगों को आपस में ही लड़ाने की साजिश चल रही है।

अगर हमने बुद्धिमानी से काम नहीं लिया, तो आज की राजनीति हमें एक ऐसी गर्त में धकेल देगी, यहां से निकल कर बाहर आना आसान नहीं होगा। बदलापुर के पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे उर्फ बाबा दुबे ने वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे के साथ की गई बातचीत में उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रदेश में अब सिर्फ नफरत की राजनीति ही चलेगी। महाराष्ट्र में शुरू हुआ औरंगजेब एक सोची समझी राजनीति के तहत उत्तर प्रदेश की विधानसभा में पहुंच गया। यहां उसका रूपांतरण अगड़े बनाम पिछड़ों और अगड़े बनाम दलितों में कर दिया गया।

समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने महाराष्ट्र में हिंदू मुसलमान की राजनीति खड़ी की तो रामजीलाल सुमन ने इतिहास के पन्ने कुरेदकर उसे अगड़े पिछड़ों और अगड़े दलितों के बीच नफरत की दीवार खड़ी करने का प्रयास किया। पीडीए का समीकरण लेकर चल रही समाजवादी पार्टी को तो इसी तरह के मुद्दे चाहिए था। उत्तर प्रदेश में हिंदू मुसलमान से भाजपा को ज्यादा फायदा मिलता देख सपा ने अपने विधायक रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा का मुद्दा उठवाकर अगड़ों और पिछड़ों के बीच, तथा रामजीलाल सुमन के घर हुए करणी सेना के हमले को लेकर ,अगड़ों और दलितों के बीच जहर घोलने का काम कर रही है। जहां भाजपा ने हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत की दीवार खड़ी की, वहीं समाजवादी पार्टी ने दो कदम आगे जाकर पीडीए की गंदी राजनीति खेल कर समाज को बांटने का प्रयास किया।

दोनों स्थितियों में खामियाजा देश और देशवासियों को ही भुगतना पड़ रहा है। काश ! राजनीतिक दल इससे ऊपर उठकर, बढ़ते भ्रष्टाचार और महंगाई को रोकने तथा युवाओं को रोजगार देने पर ध्यान केंद्रित करते, जिससे देश की आम जनता और युवाओं को फायदा मिलता। नफरत की भाषा छोड़कर अमन और शांति की बात करते तो इंसानियत को मरना नहीं पड़ता।

दिनदहाड़े चार बदमाशों ने दुकानदार से छीने एक लाख रुपये व चेन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। बंथरा में रामचौरा रोड निवासी दुकानदार आयुष साहू को बदमाशों ने पीट दिया। आरोपियों ने उनसे एक लाख रुपये और सोने की चेन लूट ली। पुलिस ने तीन नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आयुष के मुताबिक 16 मार्च को सुबह 11:30 बजे वह अपनी दुकान से एक लाख रुपये लेकर बैंक ऑफ इंडिया में जमा करने गए थे। किसी कारण के चलते रकम जमा नहीं हो सकी।

ऐसे में वह बाइक से घर लौट रहे थे। वह बैंक से थोड़ा आगे ही पहुंचे थे कि तभी पंजाब नेशनल बैंक के सामने अभय यादव व उसके साथी साहिल, कुणाल और एक अज्ञात ने उन्हें जबरन रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर आरोपियों ने उन्हें पीट दिया। चारों ने उनसे रकम और गले में पहनी उनके चेन लूट ली। लोगों को मदद के लिए आता देख आरोपी हत्या की धमकी देते हुए भाग निकले। इंस्पेक्टर राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जांच चल रही है।

बेकाबू बस ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला

आगरा(उत्तरशक्ति)। आगरा-हाथरस मार्ग पर खंदौली में यमुना एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के पास शनिवार की बेकाबू बस ने बाइक सवार दो दोस्तों को रौंद दिया। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। युवक आगरा की दुकान से काम खत्म करके गांव लौट रहे थे। हादसे के बाद बाइक बस में फंस गई थी, चालक उसे करीब 50 मीटर तक घसीटता ले गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक समेत बस को कब्जे में ले लिया है। हाथरस के थाना सादाबाद के गांव गोविंदपुर निवासी अवधेश जुरैल (28) गांव के ही रहने वाले दोस्त मुकुट जुरैल (32) के साथ आगरा से शनिवार की रात करीब 11 बजे बाइक से अपने गांव जा रहे थे। आगरा-हाथरस मार्ग पर खंदौली में यमुना एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के समीप अलीगढ़ की तरफ से आ रही प्राइवेट बस ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार अवधेश और मुकुट की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक बस में फंस गई, जिसे चालक करीब 50 मीटर तक घसीट ले गया। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी खंदौली ने बताया कि पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। बस अलीगढ़ से आगरा जा रही थी। युवकों की मौत की सूचना से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। परिजन बताया कि अवधेश और मुकुट की शादी छह वर्ष पूर्व हुई है। दोनों के दो-दो बच्चे हैं। अवधेश का एक बच्चा 2 महीने और दूसरा बेटा 5 साल का है। अवधेश 2 महीने से आगरा एक दुकान में काम कर रहा था। मुकुट शनिवार को पहली बार अवधेश के साथ उसी दुकान पर काम करने गया था। हादसे के समय बाइक मुकुट चला रहा था।

शराब पीकर विधवा के कमरे में घुसा युवक,चप्पलों से पीट-पीटकर हत्या

औरंगाबाद (उत्तरशक्ति)। यूपी बुलंदशहर स्थित औरंगाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार देर रात शराब के नशे में धुत युवक ने एक घर में घुसकर महिला के साथ छेड़छाड़ कर दी। महिला के शोर मचाने पर पहुंची अन्य महिलाओं ने आरोपी की चप्पलों से पिटाई कर दी। जिसके बाद घर पहुंचे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इससे गुस्साए परिजनों ने युवक के शव को महिला के घर के सामने रख कर हंगामा कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा बुझाकर शांत किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने एक आरोपी महिला को हिरासत में लिया है। हालांकि, मृतक के परिजनों की ओर से रविवार शाम तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। औरंगाबाद-जहांगीरबाद मार्ग स्थित गांव निवासी एक महिला के पति की पूर्व में ही मृत्यु हो चुकी है। शनिवार देर रात वह अपने घर पर सो रही थीं, आरोप है कि इसी दौरान पड़ोसी युवक शराब के नशे में धुत होकर महिला के पास जा पहुंचा और जबरन पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने लगा। छेड़छाड़ का विरोध करते हुए महिला ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसे धक्का देकर घर के बाहर कर दिया। शराबी फिर से महिला के घर जा पहुंचा और महिला के साथ गाली-गलौच कर दी। पीड़िता के शोर मचाने पर पड़ोस की तीन चार महिलाएं मौके पर पहुंच गईं और आरोपी की पकड़ कर चप्पलों से पिटाई कर दी। मामले की सूचना पर शराबी युवक के पिता मौके पर पहुंच गए और युवक को पकड़ कर अपने साथ घर ले आए। बताया गया कि पिता ने पुत्र को एक कमरे मे बंद कर दिया। करीब एक घंटे बाद युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रात दो बजे परिजन मृतक के शव को महिला के घर के सामने ले गए और वहीं शव को रखकर हंगामा कर दिया। परिजनों ने थाना पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी औरंगाबाद पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के परिजनों को पोस्टमार्टम कराकर उचित कार्रवाई करने का हवाला देते हुए शांत किया। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर तड़के चार बजे पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस ने मामले में एक अधेड़ को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ में जुटी हुई है। हालांकि, अभी तहरीर नहीं दी गई है। महिला के परिजनों का कहना है कि मृतक युवक उक्त महिला के साथ दो तीन बार छेड़छाड़ की वारदात को अंजाम दे चुका है। करीब एक सप्ताह पहले भी युवक ने महिला के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ की थी। उस दौरान लोगों उसे पकड़ लिया था, बाद में आरोपी के माफी मांगने पर उसे छोड़ दिया गया था ।

रूट केयर फाउंडेशन द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

-आत्मा कुमार सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान स्थित रूपम पैलेस में रूट केयर फाउंडेशन के द्वारा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नीरज कुमार सिंह एसपी सिवान अवध बिहारी चौधरी, पूर्व स्पीकर विधानसभा एवं पूर्व विधायक सिवान रमेश सिंह कुशवाहा, सांसद पति विजयलक्ष्मी कुशवाहा उपस्थित रहे। इस अवसर पर बाबा महेंद्रनाथ सेवा मंच को समाज सेवा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवा मंच के सदस्य आत्मा कुमार सिंह ने रूट केयर फाउंडेशन के संस्थापक मंजेश पांडेय, संस्था के वरीय पदाधिकारी एवं सभी सदस्य को धन्यवाद किया। बताया कि हमारी संस्था दूसरी बार इतनी बड़ी सम्मान प्राप्त किया है। इससे पहले बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जयसवाल, सरकार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा हमारे सेवा मंच को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित कर चुके है। यह सम्मान सेवा मंच के सभी सदस्यों का समर्पण के साथ सेवा भाव का परिणाम है। मौके पर संस्था के त्रिभुवन दुबे, अजित कुमार मोनू, चुनमुन कुमार मौजूद थे।

आस्पेक्ट हॉस्पिटैलिटी ने शुरू किया क्विक बाइट्स का नया जमाना

मुंबई और पुणे में नोम नोम एक्सप्रेस के 25 आउटलेट लांच किए

मुंबई। रणनीतिक किंतु साहसिक कदम उठाते हुए आस्पेक्ट हॉस्पिटैलिटी ने मुंबई और पुणे में अपने पैन-एशियन क्यूएसआर ब्रांड, नोम नोम एक्सप्रेस के 25 नए आउटलेट्स लांच करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। जुहू के एस्टेला में बहुत धूमधाम के बीच आस्पेक्ट ग्लोबल वेंचर्स की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती अक्षा कम्बोज ने मुख्य मंच संभाला। सेरिमोनियल बटन को दबा कर उन्होंने सभी 25 लोकेशनों पर आउटलेट्स का एक साथ विजुअल और डिजिटल अनावरण किया। इस इनोवेटिव और हाई-इम्पैक्ट वाली उपलब्धि के वक्त उनके साथ आस्पेक्ट हॉस्पिटैलिटी के प्रबंध निदेशक श्री हितेश केसवानी, आस्पेक्ट हॉस्पिटैलिटी के सीईओ श्री संदीप सिंह और एक्जीक्यूटिव कॉर्पोरेट शेफ राहुल भी शामिल हुए।

जैसे ही काउंट डाउन शुरू हुआ, मुंबई और पुणे के डिजिटल मैप के साथ एक इंट्रैक्टिव एलईडी दीवार जीवंत हो उठी। प्रत्येक स्टोर आइकन सिंक में एनिमेटेड था, गतिशील दृश्यों, बोल्ड म्यूजिक और एक ग्रैंड नाउ सर्विंग X25 फिनाले के साथ सेट किया गया था, और उसके साथ था बधाई देने वाला जोरदार स्वर। इस लांच में डिजिटल ताकत जोड़ते हुए, एक कोऑर्डिनेटेड सोशल मीडिया ब्लिट्ज सभी 25 स्टोर पेजों पर लाइव हुआ।

इस कार्यक्रम में एक ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) बूथ भी था, जहाँ मेहमान पॉप-अप नोम नोम स्टोर्स वाले एक वर्चुअल शहर का अनावरण करने के लिए स्कैन कर सकते थे। ब्रांड मैस्कॉट नोमी फोटो खिंचवाने के लिए हाजिर हुआ, जिससे यह इमर्सिव ब्रांड अनुभव और अधिक दिलचस्प हो गया। लांच से पहले मुंबई और पुणे, नोम के लिए तैयार शीर्षक से एक प्रभावशाली टीजर अभियान चलाया गया, जिसने चचाओं और उम्मीदों को बढ़ाया, जबकि वहां मौजूद जानेमाने फूड ब्लॉगर्स और कॉन्टेंट क्रिएटरों ने इन लम्हों को बड़े पैमाने पर डिजिटल दर्शकों तक पहुँचाने में मदद की। अब 25 लाइव किचन के साथ, नोम नोम एक्सप्रेस पूरे शहर में हाई-ऐनर्जी, हाई-फ्लेवर वाले पैन-एशियन भोजन की डिलिवरी शुरू कर दी है, जो खाने के शौकीनों की नई पीढ़ी को खुश करने के लिए तैयार है-वन बाइट ऐट अ टाइम। लेकिन इस सबकी रीढ़ है- नोम नोम सेंट्रल किचन, जो सभी जगहों निर्बाध आपूर्ति और निरंतरता को शक्ति प्रदान करता है जिनमें शामिल हैं- मीरा रोड, बेलापुर, ओशिवारा, वाशी, घाटकोपर, चेंबूर, वसोर्वा, बोरीवली, पिंपरी चिंचवाड़, वर्ली, ठाणे, डोंबिवली, खराडी, कोलाबा मार्केट, भायंदर, खारघर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, बोरीवली ईस्ट, अंधेरी मेट्रो स्टेशन, साकी नाका मेट्रो स्टेशन, महावीर, घनसोली, केम्प्स कॉर्नर, विक्रोली और गोरेगांव ईस्ट आदि।

सुकृष्णा कॉमर्स अकेडमी ने कंकड़बाग में शुरू की अपनी नई शाखा, नामांकन पर छात्रों को 50 प्रतिशत तक की छूट

पटना (उत्तरशक्ति)। राजधानी के अग्रणी कॉमर्स कोचिंग संस्थान सुकृष्णा कॉमर्स अकेडमी ने कंकड़बाग के डॉक्टर्स कॉलोनी स्थित सुर्यलक्ष्मी काम्प्लेक्स में अपने नई शाखा की शुरूआत की। इस शाखा का उद्घाटन संस्थान के निदेशक सीए विवेक कुमार, सीए बिनय कुमार एवं कार्यकारी निदेशक एच एस तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक सीए विवेक कुमार ने कहा कि बोरिंग रोड, गोला रोड के बाद यह हमारी तीसरी शाखा है। उन्होंने कहा कि यह शाखा छात्रों को और बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करेगी। सुकृष्णा कॉमर्स अकेडमी पटना ही नहीं बल्कि बिहार का एक प्रतिष्ठित कॉमर्स कोचिंग संस्थान है जहां ग्यारहवीं, बारहवीं, सीए, सीएस, सीएमए, बीकॉम, क्लैट, टैली, डीसीए, बीबीए, सीयूईटी, आईपीमैट की तैयारी कराई जाती है। सीए विवेक कुमार ने बताया कि हम अपने पहले सेशन के दौरान नामांकन पर छात्रों को 50 प्रतिशत तक की छूट दे रहे हैं। वहीं संस्थान के अन्य निदेशक सीए बिनय कुमार ने कहा कि नई शाखा में आधुनिक सुविधाओं और संसाधनों के साथ, छात्रों को एक बेहतर अध्ययन वातावरण प्रदान किया जाएगा। इस शाखा के खुलने से कंकड़बाग क्षेत्र के छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को इस अवसर पर बधाई दी और उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। जबकि कार्यकारी निदेशक एच एस तिवारी ने कहा कि इस संस्थान के छात्रों ने समय - समय पर बेहतर रिजल्ट लाकर संस्थान का परचम लहराया है और बिहार का नाम रौशन किया है। मौके पर संस्थान से जुड़े सभी कर्मी मौजूद रहे।

संगीत साहित्य मंच की 118वीं काव्यगोष्ठी कवि सम्मलेन के रूप में संपन्न

ठाणे। साहित्यिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था संगीत साहित्य मंच द्वारा निरंतर की जाने वाली मासिक काव्यगोष्ठी शनिवार दिनाँक 19 अप्रैल 2025 को शेंडोबा रोड स्थित संगीत और साहित्य के प्रेमी समाजसेवी किशोर भोईर के फॉर्महाउस (मंथन कट्टा) पर आयोजित की गई। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रामप्यारे सिंह रघुवंशी ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप उपस्थित थे।मंथन कट्टा एवं संगीत साहित्य मंच को संजोते हुए खूबसूरत संचालन उमेश मिश्र प्रभाकर ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सदाशिव चतुर्वेदी मधुर द्वारा माँ सरस्वती के चरणों मे वंदना स्वरुप प्रथम पुष्प अर्पित करके किया गया। तत्पश्चात अरुण मिश्र अनुरागी द्वारा श्रृंगार गीत का सुन्दर गायन, सुश्री संगीता मांडरेकर ने विजय कुलकर्णी द्वारा लिखित मराठी कविता सुनाई और कुलकर्णी ने हिन्दी कविता सुनाया।अगली कड़ी में वरिष्ठ कवि अजय सिंह द्वारा संस्कार पर कविता, सहसंयोजक सदाशिव चतुर्वेदी मधुर ने समाज के बिगड़ते माहौल पर कविता सुना कर सबको रोमांचित कर दिया।वरिष्ठ कवि तिलक राज खुराना ने हँसी एक संजीवनी पर एक मानक गीत का पाठन किया। मराठी कवि शेखर भगत ने हिन्दी और मराठी कविता का पाठ तत्पश्चात केरोके गायक राजेश और संगीता ने फिल्मी संगीत पर एक युगल गीत प्रस्तुत किया। संगीत शिक्षक सुमंत सिंदे व शिक्षिका श्रीमती वसुंधरा भगत ने मराठी कविता पढ़ी। मधुर के अनुमोदन पर संचालक उमेश मिश्र ने मुक्तक और गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी, जाने माने पत्रकार, कवि एवं मुख्य अतिथि विनय शर्मा दीप ने अपनी सवैया और गीत द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंतिम कवि के रूप में अध्यक्षता कर रहे भा ज भा के संस्थापक रामप्यारे रघुवंशी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम को खूब सराहा और जीवन में खुशियों की महत्ता को दशार्ने वाली कविता दीवाली का प्रथम प्रहर है गीत का सराहनीय गायन किया एवं सभी को शुभकामनायें प्रदान किया। गोष्ठी विशेष रूप से आध्यात्मिक, सामाजिक तथा श्रृंगार प्रधान कविताओं एवं चर्चाओं पर आधारित रही।अंत में सहसंयोजक सदाशिव चतुर्वेदी मधुर ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।